पाठ 1. जीवन का झरना

I. मौखिक कौशल

1. जीवन की तुलना निर्झर से की गई है। **2.** निर्झर घाटी से होकर गुज़रता है।

II. लिखित कौशल

1. सुख-दुख के दोनों तीरों से का अर्थ हार-जीत से है। जीवन में आने वाली बाधाओं से लड़ता हुआ, उठता हुआ, गिरता हुआ, चट्टानों पर चढ़ता हुआ निर्झर यही संदेश दे रहा है कि हमें भी मुश्किलों का डटकर सामना करना चाहिए।

2. निर्झर मानव जीवन को प्रेरणा देता है कि हमें जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना साहसपूर्वक करना चाहिए। सुख-दुख, हार-जीत आदि तो जीवन का हिस्सा हैं। इनके सामने झुककर अपनी मंज़िल को नहीं छोड़ना चाहिए। सदैव आगे बढ़ना है।

3. मानव जीवन में गतिशील होना ही महत्वपूर्ण है। यदि हम विकास करना छोड़ दें और सिर्फ़ स्थिर हो जाएँ तो हमारा विनाश तय है। सिर्फ़ और सिर्फ़ आगे बढ़ना ही जीवन है। रुक जाना तो मृत्यु के समान माना गया है।

4. (क) झरने में गति ही उसका यौवन है, इसलिए वह आगे बढ़ता जाता है। उसको सिर्फ़ चलते रहने की ही धुन है। वह अपनी मस्ती में गाता हुआ आगे बढ़ता रहता है।

(ख) जीवन चलता है, चलता ही रहता है। वह कभी रुकता नहीं। रुक जाना मर जाने के समान है। निर्झर झरकर यही कहता है।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. बाधा, यौवन, नाविक, निर्झर **2.** (क) (i) (ख) (i) (ग) (ii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

इस कविता में मुश्किलों का सामना करना, आत्मविश्वास, लगन, निरंतर आगे बढ़ना तथा गतिशीलता जैसे जीवन मूल्यों की चर्चा की गई है।

V. भाषा कौशल

1. (क) राय, नहीं (ख) किनारा, बाण (ग) पल/क्षण, समय देखने का यंत्र
(घ) हृदय, भिन्नता

2. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (i) (घ) (ii)

VI. रचनात्मक कोना

1. समतल, मदमाता, मानव, अंचल, अंतर, लहर **2.** बच्चे स्वयं करें।

पाठ 2. नेकी बनी बदी

I. मौखिक कौशल

1. लेखक के कार्यालय में चार चपरासी काम करते थे।
2. गरीब बड़े बाबू के लिए अपने घर से कुछ नहीं लाता था इसलिए बड़े बाबू ने गरीब को मक्खीचूस कहा था।
3. जब गरीब अपने घर से खाने-पीने की चीज़ें लाने लगा तब उसका कार्यालय में मान-सम्मान होने लगा।
4. गरीब ने ठेलेवालों से दलाली के रूप में चार आने लिए थे।

II. लिखित कौशल

1. गरीब लेखक के कार्यालय में चपरासी था। वह बेचारा बहुत ही सीधा, बड़ा आज्ञाकारी, अपने काम में चौकस रहने वाला, घुड़कियाँ खाकर चुप रह जाने वाला इनसान था।
2. गरीब के घर मनों दूध होता है, मनों जौ, चना, मटर होती है लेकिन वह इन सब चीज़ों को किसी को देता तक नहीं था। कार्यालय के लोग इन सब चीज़ों के लिए तरसते थे इसलिए वे लोग गरीब से चिढ़ते थे।
3. एक दिन बड़े बाबू ने गरीब से अपनी मेज़ साफ़ करने को कहा। वह तुरंत मेज़ साफ़ करने लगा। दैवयोग से झाड़न का झटका लगा तो दवात उलट गई और रोशनाई मेज़ पर फैल गई। बड़े बाबू यह देखते ही क्रोधित हो गए।
4. लेखक ने गरीब को समझाया, "भला एक दिन कुछ लाकर दो तो, फिर देखो कि लोग क्या कहते हैं। शहर में ये चीज़ें बड़ी मुश्किल से मिलती हैं। इन लोगों का जी भी तो कभी-कभी ऐसी चीज़ों पर चला करता है।"
5. लेखक के समझाने पर गरीब अपने घर से मटर की फलियाँ, गन्ने के गट्ठर तथा गन्ने का रस लेकर कार्यालय में आया। फिर उसके बाद वह दसवें-पाँचवें दिन दूध, दही आदि लाकर बड़े बाबू को भेंट किया करता।
6. 'गरीब' से 'गरीबदास' बन जाने पर उसके स्वभाव में भी कुछ तबदीली पैदा हुई। दीनता की जगह आत्म-गौरव का उदय हुआ। तत्परता की जगह आलस्य ने ले ली। वह अब कभी-कभी देर से कार्यालय आता। कभी-कभी बीमारी का बहाना करके घर बैठा रहता। उसके सभी अपराध अब क्षम्य थे।
7. गरीब ने ठेलेवालों से दलाली ली जिसे देखकर लेखक को खेद हुआ। लेखक को लगा कि उन्होंने ही गरीब को धूर्तता का पहला पाठ पढ़ाया था।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) गलत (ख) सही (ग) सही (घ) गलत (ङ) सही (च) सही
2. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (i)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. इससे पता चलता है कि लेखक सहृदय थे तथा अन्याय के खिलाफ़ आवाज़ उठाना जानते थे।
2. बड़े बाबू ऊपरी दिखावा कर रहे थे। कोई यह न समझे कि वे सारा माल खुद हड़पना चाहते हैं, उन्होंने कृत्रिम क्रोध दिखाया। वे यह भी दिखाना चाहते थे कि उन्हें इन सब चीज़ों की ज़रूरत नहीं है।

3. इससे गरीब के बारे में पता चलता है कि वह रिश्वत देना तथा चापलूसी करने का हुनर सीख गया था। वह बड़े बाबू को सौगात देकर अपना काम करवाना सीख गया था। उसने तरक्की पाने का गलत रास्ता चुना था।

V. भाषा कौशल

1. (क) मेज़ (ख) गरीबदास (ग) रोशनाई (घ) डाँटा (ङ) मैंने (च) दिए
2. (क) धूर्तता (ख) सामर्थ्य (ग) क्रोध (घ) प्रतिष्ठा (ङ) भोलापन
   (च) बीमारी (छ) अपराध (ज) दीनता
3. (क) स्वभाव, निश्चित (ख) गुण, गन्ने के रस से बनी खाने की वस्तु
   (ग) गरीब, वार/दिवस (घ) स्याही रखने का पात्र, बुलावा/निमंत्रण
4. (क) अत्यधिक क्रोधित होना (ख) ईर्ष्या होना (ग) दुर्गति होना (घ) कंजूस होना
   (ङ) सहमति देना (च) अपना काम साधने का उपाय या मार्ग जान लेना
5. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i)

VI. रचनात्मक कोना

1. (क) प्रहार, प्रचलित, प्रतिष्ठा (ख) धूर्तता, तत्परता, दीनता
   शेष बच्चे स्वयं करें।

पाठ 3. तृणभारत

I. मौखिक कौशल

1. गुड़ देखकर बंजारे ने कहा, "गुड़ बहुत गीला है।"
2. उसे उठाया और उँगली के झटके से सामने दीवार की ओर फेंक दिया।
3. अपने मालिक की हालत देखकर कुत्ता अपने डेरे की ओर भागा।
4. बंजारों के दल ने जब अपने साथी को मरा हुआ देखा तब उनकी आँखों में खून उतर आया।

II. लिखित कौशल

1. बंजारा बनिये की दुकान पर गुड़ खरीदने आया था।
2. इधर दीवार पर तिनके का चिपकना हुआ और उधर मक्खियाँ उसकी मिठास का मज़ा लेने लगीं। मक्खियाँ मिठास के आनंद में डूबी थीं कि एक छिपकली एक ही झपट्टे में दो मक्खियाँ निगल गई। छिपकली को देखकर बनिये की बिल्ली उसपर झपट पड़ी। बंजारे के कुत्ते ने बिल्ली को देखा तो वह उसे पकड़ने दौड़ा।
3. बिल्ली और कुत्ते की भगदड़ में कई बर्तन लुढ़क गए। कई मटकियाँ फूट गईं। बतासे, मिसरी, चीनी, मिर्च-मसाले, दालें बिखर गईं। तेल फैल गया। बैठे-बिठाए बनिये का नुकसान हो गया।
4. बनिये द्वारा फेंका गया बाट सीधे कुत्ते के ललाट पर जा लगा और खून का फ़व्वारा छूट गया।
5. गली में शोर मचने पर गली-मोहल्ले के रणरसिये वहाँ आ धमके। आन-ही-आन में पूरी गली में नंगी तलवारें चमचमाने लगीं। कई रणरसिये दौड़कर घर से भाले और बरछियाँ ले आए। भालों और बरछियों की बौछार हो गई।
6. (क) बंजारा अपने कुत्ते का इरादा समझ गया था कि वह उसके बाकी साथियों को बुलाने जा रहा है। परंतु किसी से मदद मिलने तक वह न लड़े तो बुज़दिल कहलाएगा। इसलिए वह साक्षात् काल बन गया और बनियों पर टूट पड़ा।

   (ख) बंजारे रणरसियों के बीच फँस गए थे। वे समझ गए थे कि अब अगर हम जी-जान से लड़े और मारे गए तो स्वर्ग मिलेगा और अगर रणरसियों को मार दिया तो जीत मिलेगी। ऐसा सोचकर वे लड़ने लगे। चारों तरफ़ लाशों के ढेर लग गए।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (ग) (च) (छ) (ख) (घ) (ङ) (क)
2. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. इस वाक्य से पता चलता है कि बनिया बेईमान था। वह सामान कम तोलता था और लोगों को बेवकूफ़ बनाता था। उसे सीख देनी चाहिए कि कम तोलना अपराध है और उसके लिए उसे सज़ा मिल सकती है। उसे बेईमानी नहीं करनी चाहिए।
2. बंजारा अपने कुत्ते से बहुत प्रेम करता था। यह पंक्ति बंजारे की अपने कुत्ते के प्रति प्रेम-भावना और आत्मीयता के संबंध को प्रकट करती है।

V. भाषा कौशल

1. (क) अपादान कारक (ख) करण कारक (ग) अपादान कारक
(घ) करण कारक (ङ) अपादान कारक (च) करण कारक

2. (क) बे + खौफ़ (ख) अ वि + चल (ग) नौ + जवान (घ) चौ + तरफ़

3. (क) बहुत गुस्सा करना – विरोधी पार्टी द्वारा लगाए गए झूठे इलज़ामों को सुन रामनाथ का खून खौल उठा।
(ख) क्रोध के मारे आँखों का लाल होना – युद्ध भूमि पर दुश्मन को आगे बढ़ता देख सैनिकों की आँखों में खून उतर आया।
(ग) बहुत आसान काम – पिता जी को पिकनिक पर चलने के लिए मनाना तो ऋचा के बाएँ हाथ का खेल है।
(घ) पिटाई से बेदम होना – पहलवान लखपत सिंह ने अपने प्रतिद्वंद्वी पहलवान का कचूमर ही निकाल दिया।
(ङ) मार डालना – आतंकवादियों ने मासूम लोगों को ढेर कर दिया।
(अध्यापक/अध्यापिका बच्चों से वाक्य बनवाएँ।)

4. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (ii)

VI. रचनात्मक कोना

बच्चे स्वयं करें।

पाठ 4. सभ्य बनने की सनक

I. मौखिक कौशल

1. गांधी जी के मित्र ने गांधी जी के बारे में यह मान लिया था कि मांसाहार न करने से वे कमज़ोर और भोंदू हो जाएँगे।
2. गांधी जी जानना चाहते थे कि सूप में मांस तो नहीं है इसलिए उन्होंने बैरे को बुलाया था।
3. गांधी जी ने संध्याकालीन सूट दस पौंड में बनवाया था।
4. डेविड चार्ल्स बेल की पुस्तक का नाम 'स्टैंडर्ड एलोक्युशनिस्ट' था।
5. गांधी जी ने माह-खर्च के लिए पंद्रह पौंड की रकम निर्धारित कर रखी थी।

II. लिखित कौशल

1. आहार संबंधी पुस्तकों को पढ़कर गांधी जी पर यह प्रभाव पड़ा कि उनके जीवन में भोजन के प्रयोगों ने महत्वपूर्ण स्थान ले लिया।
2. होटल में गांधी जी के सूप न पीने की बात पर उनके मित्र नाराज़ हो गए थे।
3. गांधी जी के मित्र को लगता था कि यदि वे (गांधी जी) मांसाहार नहीं करेंगे तो अंग्रेज़ समाज में हिल-मिल नहीं सकेंगे। गांधी जी को अपने मित्र का यह भय दूर कर देना ज़रूरी लगा। इसलिए उन्होंने निर्णय लिया कि वे जंगली नहीं रहेंगे तथा सभ्यों के तौर-तरीके सीखेंगे।
4. सभ्य बनने के लिए गांधी जी ने 'आर्मी एंड नेवी स्टोर' में कपड़े सिलवाए। 'चिमनी' हैट ली और इतने से संतोष न होने पर दस पौंड खर्च करके संध्याकालीन सूट बनवाया। अपने भाई से जेबों में लटकाई जाने वाली असली सोने की चेन मँगवाई तथा टाई बाँधने की कला भी सीखी।
5. संगीत और नृत्य सीखने के लिए गांधी जी एक कक्षा में भर्ती हुए। वहाँ एक सत्र के तीन पौंड शुल्क के दिए। तीन सप्ताह में कोई छह सत्र लिए होंगे। ठीक ताल पर पाँव न पड़ते थे। पियानो बजाते तो थे, पर वह क्या कह रहा है, यह समझ में न आता था। तीन पौंड वायलिन खरीदने में खोए और कुछ उसकी तालीम के लिए भी। भाषण-कला सीखने के लिए तीसरे उस्ताद का घर ढूँढ़ा। उन्हें भी एक गिन्नी की भेंट तो चढ़ानी ही पड़ी। डेविड चार्ल्स बेल द्वारा लिखित भाषण-कला की प्रसिद्ध पुस्तक 'स्टैंडर्ड एलोक्युशनिस्ट' खरीदी और उसे पढ़ना शुरू किया।
6. डेविड चार्ल्स बेल की पुस्तक पढ़ने पर गांधी जी को ज्ञान हुआ कि उन्हें इंग्लैंड में ज़िंदगी कहाँ बितानी है? लच्छेदार भाषण सीखकर क्या होगा? नाच-नाचकर मैं सभ्य कैसे बनूँगा? वायलिन तो अपने देश में भी सीखा जा सकता है। मैं तो विद्यार्थी हूँ, मुझे तो विद्या-धन जोड़ना चाहिए। मुझे अपने पेशे के लिए ज़रूरी तैयारी करनी चाहिए। मैं अपने सदाचार से सभ्य समझा जा सकूँ तो ठीक है, नहीं तो मुझे यह लोभ छोड़ना चाहिए।
7. गांधी जी बस की सवारी और डाक खर्च रोज़ लिखते थे और सोने से पहले सदा अपना हिसाब-किताब मिला लेते थे। उनकी यह आदत अंत तक कायम रही।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) शाकाहार (ख) बजाना (ग) मांसाहार (घ) सभ्यता (ङ) सावधान
2. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. गांधी जी भारतीय संस्कृति और मूल्यों से गहराई से जुड़े थे जिस कारण पश्चिमी सभ्यता की चकाचौंध भी उन्हें आकर्षित न कर सकी। इससे गांधी जी के चरित्र का देश-प्रेम एवं भारतीय सभ्यता-संस्कृति का आदर करने का भाव उजागर होता है।
2. विद्यार्थी का पहला कर्तव्य होता है विद्या का अर्जन करना। विद्या-धन सारी उम्र काम आता है और यह कभी समाप्त नहीं होता। अतः एक विद्यार्थी के जीवन में विद्या-धन प्राप्त करने से बढ़कर और कुछ भी महत्वपूर्ण नहीं है।

V. भाषा कौशल

1. (क) सर्वनाम पदबंध (ख) विशेषण पदबंध (ग) विशेषण पदबंध (घ) क्रिया पदबंध (ङ) क्रिया पदबंध (च) क्रियाविशेषण पदबंध (छ) विशेषण पदबंध
2. (क) अप्रसन्नता (ख) अनाकर्षक (ग) असभ्य (घ) दुराचार (ङ) नकली (च) असंतोष
3. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (ii)

VI. रचनात्मक कोना

1. (क) जवाहरलाल नेहरू (ख) डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन (ग) डॉ० राजेंद्र प्रसाद
   (घ) मौलाना अबुल कलाम आज़ाद (ङ) महात्मा गांधी (च) इंदिरा गांधी
   (छ) लक्ष्मी सहगल (ज) सरोजिनी नायडू
   शेष बच्चे स्वयं करें।

पाठ 5. नए टापू की खोज

I. मौखिक कौशल

1. अंडमान-निकोबार द्वीप समूह भारत के दक्षिणी भाग में स्थित है।
2. कारनिकोबारियों ने पहली नाव नारियल के पेड़ से बनाई थी।
3. नाव देखकर चावरा द्वीप के बुज़ुर्ग उसी निष्कर्ष पर पहुँचे जिसकी कल्पना कारनिकोबारियों ने की थी।
4. चावरावासी उन अनाम लोगों के बारे में जानना चाहते थे, जिन्होंने नाव का निर्माण कर सामग्री भेजी थी।
5. चावरा द्वीप की यात्रा पर कारनिकोबार द्वीप से आठ-दस लोग गए थे।

II. लिखित कौशल

1. कारनिकोबारियों के मन में यह विचार आया कि अन्य द्वीपों की खोज करनी चाहिए।
2. कारनिकोबारियों ने प्रयोग के तौर पर नारियल का एक पेड़ उखाड़ा। उसे छीलना आरंभ किया। उसे तरह-तरह से काटा। उसका आकार छोटा किया और उसकी गोलाई कम की। फिर उसे पानी में तैराकर देखना शुरू किया। इससे उन्हें संतुलन की कला समझ में आई। प्रयोग करते-करते आखिर कारनिकोबारियों ने एक छोटी-सी नाव बना ली।
3. कारनिकोबारियों को विश्वास था कि केनो तैरते हुए किसी किनारे पर अवश्य लगेगी। इस विश्वास के पीछे भी एक कारण था। उन्होंने कई ऐसी चीज़ों को अपने समुद्री तट पर पहुँचते देखा था जो उनके लिए अनजान थीं। उन्हें उम्मीद थी कि केनो किसी-न-किसी द्वीप के तट पर ज़रूर पहुँचेगी। यदि उस द्वीप पर मानव जाति हुई तो केनो में रखी चीज़ों को देखकर उन्हें यह अंदाज़ा हो जाएगा कि यह नाव कहीं से भेजी गई है।
4. चावरा द्वीप के बुज़ुर्गों ने नाव पर से फलों को उतारा और परीक्षण के रूप में चखकर देखा। जब वे पूरी तरह आश्वस्त हो गए कि वे फल हानिकारक नहीं हैं, तब उन फलों को सबमें वितरित करवा दिया।
5. चावरावासियों ने मिट्टी के छोटे-छोटे बर्तन तथा नारियल और केले से बना व्यंजन 'किलोई' केनो में भरकर वापस भेजे।
6. नाव में रखे बर्तनों को देखकर कारनिकोबारियों को विश्वास हो गया कि आस-पास कोई द्वीप है जहाँ उनके जैसे ही मनुष्य रहते हैं।
7. कारनिकोबारियों ने नाव में खाने का सामान, पीने के लिए पानी और कुछ फल आदि रखे। फिर नाव पर सवार होकर आठ-दस लोग अनजान द्वीप की यात्रा पर निकल पड़े।
8. कारनिकोबारी चावरावासियों को देखकर क्षण भर को हैरान हुए पर उसके बाद तो जैसे उनकी भी खुशी का कोई ठिकाना न रहा। उन्होंने पाया कि चावरा द्वीप के लोगों का रंग-रूप और आचार-व्यवहार ठीक उन्हीं की तरह है। भाषा में थोड़ा परिवर्तन ज़रूर लगा, फिर भी वे बहुत आनंदित हुए।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (च) (ग) (घ) (क) (ख) (ङ)
2. (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (i)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. इन पंक्तियों से पता चलता है कि मनुष्य का स्वभाव नई–नई चीज़ों का पता लगाने और उनके बारे में जानने का रहा है। मानव की इस जिज्ञासु प्रवृत्ति के कारण ही खोजों का सिलसिला शुरू हुआ।
2. चावरावासियों ने कारनिकोबारियों के लिए उपहार भेजकर प्रेम का जवाब प्रेम से दिया। उन्होंने ऐसा करके दिखाया है कि वे भी उनके बारे में जानने और उनसे मिलने के इच्छुक हैं।
3. ऐसा करके बुज़ुर्गों ने परिचय दिया है कि वे अपने लोगों के प्रति प्रेम और ज़िम्मेदारी का भाव रखते हैं। अगर चावरावासियों पर कोई भी मुसीबत आती है तो पहले वहाँ के बुज़ुर्ग इसका सामना करेंगे। उन्होंने दिखाया है कि वे अपने लोगों को सुरक्षा प्रदान करना चाहते हैं।

V. भाषा कौशल

1. के, में, में, पर, के, में, की, का, के, पर, में
2. (क) प्रो॰ उपाध्याय अपनी पारिवारिक तथा कार्यालयी ज़िम्मेदारियों में संतुलन बनाए रखते हैं।
   (ख) कई परीक्षण करने के बाद ही कोई शोध कार्य पूर्ण होता है।
   (ग) ईश्वर के संबंध में प्रत्येक व्यक्ति की धारणा दूसरे से अलग होती है।
   (घ) बच्चों का कौतूहल देखते ही बनता था, जब उन्हें पता चला कि आज विद्‍यालय में सुनीता विलियम्स आने वाली हैं।
   (ङ) हमें समस्याओं से घबराने के स्थान पर उनके समाधान को उपाय ढूँढ़ने चाहिए।
   (च) मनुष्य का स्वभाव खोजी प्रवृत्ति का है।
   (छ) कुछ लोग बर्तनों को देखकर हैरान हुए।
   (अध्यापक/अध्यापिका बच्चों से वाक्य बनवाएँ।)
3. (क) (ii)   (ख) (i)   (ग) (iii)

VI. रचनात्मक कोना

1. (क) इंडोनेशिया   (ख) सोमालिया   (ग) मॉरीशस   (घ) भारत   (ङ) थाइलैंड
2. बच्चे स्वयं करें।

पाठ 7. प्राणी वही प्राणी है

I. मौखिक कौशल

1. लहरों के आने पर काई फट जाती है।
2. जो हमेशा सच बोले, वही सच्चा प्राणी है।

II. लिखित कौशल

1. इसका अर्थ है कि विपत्तियों के आने पर जो न घबराए, वही सच्चा मनुष्य है।
2. माथे को फूल जैसा चढ़ाने का अर्थ है कि सच्चा मनुष्य मरने से नहीं डरता। वह अपने प्राणों को न्योछावर करने के लिए हमेशा प्रस्तुत रहता है।
3. इस दुनिया में प्राणियों की कोई कमी नहीं है। कोई प्राणी बड़ा या छोटा नहीं है अपितु सब बराबर हैं।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) लालच, प्राणी (ख) आगे, मरना **2.** (क) (ii) (ख) (i)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

इस कविता में दूसरों की मदद करना, मुसीबतों से न घबराना, लालच में न पड़ना, सत्य बोलना, निडरता तथा समानता जैसे गुणों की चर्चा हुई है।

V. भाषा कौशल

1. (क) छोटा, खोटा, लोटा (ख) करे, भरे, मरे (ग) फटे, कटे, रटे (घ) शूल, धूल, मूल
2. (क) लालच (ख) झूठ (ग) सच्चाई (घ) ताप (ङ) प्यास (च) अपनापन (छ) चढ़ाई (ज) अच्छाई
3. (क) (i) (ख) (ii) (ग) (iii)

VI. रचनात्मक कोना

1. बच्चे स्वयं करें। **2.** पानी के तीन अर्थ – चमक, सम्मान, जल

पाठ 8. हिम्मती सुमेरा

I. मौखिक कौशल

1. सुमेरा के पिता कुली थे। वे बस-अड्डे पर माल ढोने का काम करते थे।
2. सुमेरा के पिता को लकवा मार गया था।
3. सुमेरा ने अपने मास्टर साहब से रुपये उधार माँगे थे।
4. राजनिवास में राजा साहब रहते थे।

II. लिखित कौशल

1. सुमेरा बहुत हिम्मती और परिश्रमी था।
2. सुमेरा के पिता ने उसे सिखाया था कि जीवन को सच्चाई और ईमानदारी से जीना चाहिए। यही नहीं, उसके नन्हे मन में पिता ने यह बात गहरे बैठा दी थी कि चोरी, झूठ और बेईमानी से बढ़कर कोई पाप दुनिया में नहीं है।
3. सुमेरा के पिता को लकवा मार गया था। अत: छोटी-सी उम्र में ही सारे घर का भार उसपर आ गया था।
4. उसने जीवन चलाने के लिए सब्ज़ी या फल बेचने का निश्चय किया।
5. पहले दिन सुमेरा ने बाज़ार में छत्तीस रुपये के संतरे बेच लिए थे। चार संतरे बच भी गए थे। वे चार संतरे वह बापू के खाने के लिए ले गया। वह मन-ही-मन सोच रहा था कि छत्तीस रुपयों में से तीस रुपये वह कल के लिए रख देगा। एक रुपया उधार चुकाने का अलग रखेगा। पाँच रुपये में वह घर के लिए आटा-दाल लेकर जाएगा। अपनी इस उपलब्धि पर सुमेरा बहुत प्रसन्न हो रहा था।
6. कमेटी की गाड़ी आने पर सब लोग यहाँ-वहाँ भाग गए। सुमेरा जहाँ-का-तहाँ बैठा रहा। चार-पाँच लोग गाड़ी से नीचे उतरे और उसका सारा सामान उठाकर ले गए।
7. सुमेरा जब राजा साहब से मिलने गया तो पहरेदारों ने उसे उनसे मिलने न दिया। उसका मन बड़ा दुखी हुआ। उसने यह निश्चय किया कि वह आज राजा साहब से मिले बिना नहीं जाएगा। ड्राइवर ने गाड़ी रोककर उसे फटकारा और दरबान ने उसे खींचकर अलग करना चाहा तो उसने सभी का विरोध किया और 'राजा साहब, आपको मेरी बात सुननी ही होगी' कहकर सुबकने लगा। राजा साहब उससे प्रभावित हो गए और उन्होंने उसे भीतर बुला लिया।
8. राजा साहब ने सुमेरा को काम करने का लाइसेंस दिया। साथ में सौ रुपये भी दिए जिससे वह अपना काम शुरू कर सकता था।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. च झ ख छ ङ ज घ क ग
2. (क) मास्टर साहब ने सुमेरा से कहा।
   (ख) बाज़ार में बगल वाले आदमी ने सुमेरा से कहा।
   (ग) सुमेरा ने राजा साहब से कहा।
   (घ) राजा साहब ने सुमेरा से कहा।
3. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (i)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. सुमेरा सच्चा और ईमानदार बालक था। वह कठिन परिस्थितियों में भी हिम्मत नहीं हारता था। वह दृढ़-निश्चयी और निडर बालक था। उसमें आत्मविश्वास कूट-कूट कर भरा था।
2. इस पाठ से हमें कठिन परिस्थितियों में हिम्मत न हारने की शिक्षा मिलती है। इसके अलावा हमें कठोर परिश्रम की भी सीख मिलती है।

V. भाषा कौशल

1. 1. जमाना/जमवाना 2. खिलाना/खिलवाना 3. मिलाना/मिलवाना
   4. पढ़ाना/पढ़वाना 5. लगाना/लगवाना 6. भगाना/भगवाना
   7. दिलाना/दिलवाना 8. लौटाना/लौटवाना
2. (क) भाववाचक संज्ञा (ख) विशेषण (ग) विशेषण (घ) भाववाचक संज्ञा
   (ङ) विशेषण (च) विशेषण
3. (क) समान – एक जैसा, बराबर – लड़का और लड़की एक समान हैं।
   सामान – वस्तु – अपना सामान सँभालकर रखो।
   (ख) दिन – दिवस – मैं छुट्टी के दिन खेलने जाता हूँ।
   दीन – गरीब – उस दीन को कुछ खाने को दो।
   (ग) ओर – तरफ़ – वह गाड़ी की ओर गया।
   और – तथा – मैं और नेहा कल घूमने जाएँगे।
4. (क) (ii) (ख) (iii)

VI. रचनात्मक कोना

1. इसे बच्चे स्वयं करें। बच्चे अपने-आप को सुमेरा की जगह पर रखकर सोचें। जो बातें मन में आएँ उन्हें अलग-अलग बिंदुओं में लिख लें।
2. बच्चे अपनी कल्पना से इसका उत्तर लिखें।

पाठ 9. कलिंग विजय

I. मौखिक कौशल

1. नंदिनी गायिका के प्रश्नों का उत्तर दे रही थी।
2. उपेंद्र के अंतिम शब्द थे–"चंडाशोक, एक दिन तुम अपने शत्रुओं के ही दास बनोगे।"
3. रेखा ने नंदिनी को आदेश दिया कि गायिका से कहो कि सम्राट उसका गाना सुनेंगे।
4. कटार देखकर गायिका ने कहा, "सम्राट, मेरी गर्दन आपके सामने है। आप वार कर सकते हैं। जहाँ आपने रक्त का सागर बहाया, वहाँ एक बूँद और बहाने से न चूकिए।"
5. रेखा के अनुसार, सैनिकों का कर्तव्य है–मरना और मारना।
6. गायिका ने सम्राट अशोक को अपना भाई बना लिया।

II. लिखित कौशल

1. नंदिनी ने गायिका से सम्राट के बराबर वाले कक्ष में बैठकर गाने की बात कही थी।
2. अशोक ने उपेंद्र की बहन के बारे में बतलाया कि कलिंग की राजकुमारी अभी तक जीवित है तथा वह बौद्‌ध भिक्षुणी हो गई है।
3. गायिका ने कलिंग युद्‌ध का वर्णन करते हुए कहा था कि युद्‌ध क्षेत्र में अब भी सैकड़ों मनुष्य तड़प रहे हैं, अब भी अधमरे घायलों की कराहों से आकाश गूँज रहा है। सहस्त्रों हृदय धूल में सने पड़े हैं। कलिंग की राजधानी उजड़ी पड़ी है। कलिंग का हरा-भरा देश वीरान पड़ा है। सहस्त्रों आपके बंदी-गृह में सड़ रहे हैं। जो बचे हैं, उनकी आत्माएँ झुलस चुकी हैं, मर चुकी हैं।
4. गायिका की बातें सुनकर सम्राट अशोक की आँखें खुल चुकी थीं। उनकी आत्मा धुल रही थी, उनका कलंक धुल रहा था। सम्राट अशोक ने शस्त्र त्यागकर बौद्‌ध धर्म ग्रहण कर लिया।
5. गायिका ने सम्राट अशोक को यह श्लोक दोहराने को कहा–
   बुद्‌धं शरणं गच्छामि!
   संघं शरणं गच्छामि!
   धम्मं शरणं गच्छामि!
6. (क) गायिका रेखा की बात का जवाब देते हुए कहती है कि जो लोग सिर्फ़ अपने लिए जीते हैं, वे स्वार्थी होते हैं। वे दूसरों की दया के पात्र ही हो सकते हैं। वे दूसरों का पालन-पोषण नहीं कर सकते, जो खुद भिखारी हैं। ऐसे लोगों को कोई प्यार नहीं करता।

   (ख) गायिका बनी कलिंग की राजकुमारी सम्राट अशोक से कह रही है कि आपने निर्दोष लोगों को मारा है, खून की नदियाँ बहाई हैं। आप जीते नहीं वरन् हारे हैं। आपने कलिंग की धरती को जीता है लोगों की आत्माओं को नहीं क्योंकि इस युद्‌ध को लोग अपने मन से नहीं चाहते थे।

   (ग) गायिका सम्राट से कह रही है कि मनुष्य एक-दूसरे की सहायता करने के लिए पैदा हुआ है। वह दूसरों को मारने के लिए पैदा नहीं हुआ। वह उनकी सेवा करने के लिए ही इस धरती पर आया है।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) गायिका ने (ख) नंदिनी ने (ग) रेखा ने (घ) गायिका ने
   (ङ) अशोक ने (च) गायिका ने
2. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. कलिंग की राजकुमारी ने सम्राट के सामने आकर बहादुरी तथा निडरता का परिचय दिया है। वह अपने देश से प्रेम करती थी। वह अपनी प्रजा के संहार से दुखी थी। वह सम्राट को अहिंसा के मार्ग पर ले जाने का प्रण लेकर आई थी और अपने इरादे में कामयाब हुई।
2. अहिंसा का मार्ग अपनाकर सम्राट अशोक ने साबित कर दिया कि हर बुरे इनसान के अंदर एक कोमल हृदय छिपा होता है। ज़रूरत है बस उस इनसान को जगाने की। कोई इनसान पाप के रास्ते पर कितना भी आगे निकल जाए परंतु यदि वह कोशिश करे तो उस दलदल से निकल सकता है और प्रायश्चित करके अच्छा इनसान बन सकता है।

V. भाषा कौशल

1. (क) सामान्य भविष्यत् काल – सम्राट गायिका का गाना सुनेंगे।
   संभाव्य भविष्यत् काल – शायद, सम्राट गायिका का गाना सुनें।
   (ख) सामान्य भविष्यत् काल – गायिका सम्राट को युद्ध के बारे में बताएगी।
   संभाव्य भविष्यत् काल – संभवतः गायिका सम्राट को युद्ध के बारे में बताए।
   (ग) सामान्य भविष्यत् काल – रेखा अपनी बात कहने से चूकेगी।
   संभाव्य भविष्यत् काल – शायद, रेखा अपनी बात कहने से चूके।
   (घ) सामान्य भविष्यत् काल – सम्राट की स्वार्थपूर्ण दुनिया उजड़ेगी।
   संभाव्य भविष्यत् काल – संभवतः सम्राट की स्वार्थपूर्ण दुनिया उजड़ेगी।
   (अध्यापक/अध्यापिका बच्चों से वाक्य बनवाएँ।)
2. (क) आसन्न भूतकाल (ख) सामान्य भविष्यत् काल (ग) सामान्य भूतकाल
   (घ) अपूर्ण भूतकाल (ङ) संदिग्ध भूतकाल
   (च) संभाव्य भविष्यत् काल (छ) अपूर्ण वर्तमान काल (ज) हेतुहेतुमद भूतकाल
3. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (i) (घ) (i)

VI. रचनात्मक कोना

1. ओडिशा, कोझिकोड, इलाहाबाद, चेन्नई, उज्जैन, वड़ोदरा, पटना, पुणे, कोलकाता
   शेष बच्चे स्वयं करें।

पाठ 10. शमशाद बेगम

I. मौखिक कौशल

1. शमशाद बेगम पार्श्व गायिका थीं।
2. जेनाफ़ोन रिकॉर्डिंग कंपनी के लिए शमशाद बेगम ने 'हथ जोड़ा पंखिया दा' गीत गाया था।
3. आशा भोंसले ने शमशाद बेगम के साथ सबसे पहले 'किस्मत' फ़िल्म के लिए गाया था।

II. लिखित कौशल

1. शमशाद बेगम का जन्म 14 अप्रैल 1919 को अमृतसर में हुआ था।
2. मास्टर गुलाम हैदर ने जब शमशाद बेगम की आवाज़ सुनी तो जेनाफ़ोन रिकॉर्डिंग कंपनी से बात करके शमशाद की आवाज़ में एक पंजाबी गीत 'हथ जोड़ा पंखिया दा' को रिकॉर्ड करवाया।
3. फ़िल्मों में पार्श्वगायन के अतिरिक्त शमशाद बेगम ने दिल्ली, लाहौर तथा पेशावर रेडियो स्टेशन से भी संगीत के कई कार्यक्रम दिए। उन्होंने नाटकों में भी भाग लिया।
4. संगीतकार रफ़ीक गजनवी ने शमशाद बेगम को लाहौर से मुंबई आने की दावत दी थी।
5. 'मदर इंडिया' में शमशाद बेगम ने लता मंगेशकर के साथ 'होली आई रे कन्हाई रंग छलके' गाना गाया था।
6. अपने मिलने वालों से शमशाद बेगम कहा करती थीं, "मेरे पास मेरे गाए गीतों का एक भी रिकॉर्ड नहीं है, लेकिन मेरे गीतों को दुनिया गा रही है, मुझे इसी बात का संतोष है। अपने गीतों के माध्यम से मैं प्रशंसकों के दिलों में हमेशा ज़िंदा रहना चाहती हूँ।"

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) गलत (ख) सही (ग) गलत (घ) सही (ङ) सही
2. (क) (ii) (ख) (ii) (ग) (iii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. इस कथन से शमशाद बेगम के व्यक्तित्व के बारे में पता चलता है कि वे अपने प्रशंसकों से बहुत प्यार करती थीं। वे संतोषी स्वभाव की थीं।
2. शमशाद बेगम के जीवन से हम परिश्रम, लगन, कला के प्रति समर्पण और सादगी जैसे गुणों की प्रेरणा ले सकते हैं।

V. भाषा कौशल

1. (क) की (ख) कि (ग) की (घ) कि (ङ) की (च) कि, की
2. (क) संबंध कारक (ख) कर्ता कारक (ग) संप्रदान कारक (घ) अधिकरण कारक (ङ) अपादान कारक (च) कर्ता कारक
3. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (ii)

VI. रचनात्मक कोना

1. बच्चे स्वयं करें।

पाठ 11. एकाग्रता का महत्व

I. मौखिक कौशल

1. जीवन में आगे बढ़ने के लिए हमारी सोच में सकारात्मकता का होना ज़रूरी है।
2. युद्ध-भूमि में नमाज़ का समय होने पर खलीफ़ा उमर एकाग्रचित्त होकर घुटने टेककर नमाज़ पढ़ने लगते थे।
3. लेखक के अनुसार, आत्मा की ज्ञान-शक्ति हमारी अमूल्य थाती है।

II. लिखित कौशल

1. हमारी सोच में सकारात्मकता हो, यह हमारे चित्त की एकाग्रता पर निर्भर करता है।
2. चित्त की एकाग्रता का अर्थ है—चित्त की चंचलता पर अंकुश रखना।
3. नेपोलियन के बारे में लेखक ने बतलाया है कि जब वह युद्ध की व्यवस्था को एक बार व्यवस्थित कर लेता था तब उसके बाद समर-भूमि में गणित के सिद्धांतों को हल किया करता था। डेरों-तंबुओं पर गोले बरसते और सैनिक मरते, परंतु नेपोलियन का चित्त अपने गणित में ही लीन रहता।
4. जब फ़कीर बाबा नमाज़ पढ़ने लगे तो उनका चित्त इतना एकाग्र हो गया कि उनके शरीर से तीर निकाल लिया गया और उन्हें पता भी नहीं चला।
5. एकाग्रता के लिए आत्मा में मन को स्थिर करना आवश्यक है। दूसरा कुछ भी चिंतन न करो। मुख्य बात यह है कि मन के चक्र को चलने से बंद करना ही साधना है। बाहर का यह अपरंपार संसार, जो हमारे मन में भरा रहता है, उसको बंद किए बिना एकाग्रता को साधना कठिन है।
6. मनुष्य के चित्त में पहले यह जम जाए कि चित्त की एकाग्रता आवश्यक है, फिर तो मनुष्य स्वयं ही उसकी साधना का मार्ग ढूँढ़ निकालता है। अतः चित्त की एकाग्रता के प्रति हमारा गंभीर होना आवश्यक है।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) गणित (ख) नमाज़ (ग) तीर (घ) एकाग्रता
2. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (ii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

इस पाठ में एकाग्रता, सकारात्मक सोच, साधना तथा मन की ज्ञान चेतना को जाग्रत करना जैसे जीवन मूल्यों के बारे में बतलाया गया है।

V. भाषा कौशल

1. (क) उत्साहित, उत्साहवर्धक (ख) शांति, शांतचित्त (ग) वैचारिक, विचाराधीन (घ) चिंतित, चिंतन
2. (क) स्त्रीलिंग (ख) स्त्रीलिंग (ग) स्त्रीलिंग (घ) स्त्रीलिंग (ङ) पुल्लिंग (च) पुल्लिंग (छ) पुल्लिंग (ज) स्त्रीलिंग
3. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (ii)

VI. रचनात्मक कोना

बच्चे स्वयं करें।

जाँच पत्र-1
(पाठ 1-11 पर आधारित)

कुल अंक 50

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) निर्झर मानव जीवन को प्रेरणा देता है कि हमें जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना साहसपूर्वक करना चाहिए। सुख-दुख, हार-जीत आदि तो जीवन का हिस्सा हैं। इनके सामने झुककर अपनी मंज़िल को नहीं छोड़ना चाहिए।

(ख) एक दिन बड़े बाबू ने गरीब से अपनी मेज़ साफ़ करने को कहा। वह तुरंत मेज़ साफ़ करने लगा। दैवयोग से झाड़न का झटका लगा तो दवात उलट गई और रोशनाई मेज़ पर फैल गई। बड़े बाबू यह देखते ही क्रोधित हो गए।

(ग) होटल में गांधी जी के सूप न पीने की बात पर उनके मित्र नाराज़ हो गए थे।

(घ) बनिये द्वारा फेंका गया बाट सीधे कुत्ते के ललाट पर जा लगा और खून का फ़व्वारा छूट गया।

(ङ) मनुष्य के चित्त में पहले यह जम जाए कि चित्त की एकाग्रता आवश्यक है, फिर तो मनुष्य स्वयं ही उसकी साधना का मार्ग ढूँढ़ निकालता है। अतः चित्त की एकाग्रता के प्रति हमारा गंभीर होना आवश्यक है।

(च) ऐसा करके बुज़ुर्गों ने परिचय दिया है कि वे अपने लोगों के प्रति प्रेम और ज़िम्मेदारी का भाव रखते हैं। अगर चावरावासियों पर कोई भी मुसीबत आती है तो पहले वहाँ के बुज़ुर्ग इसका सामना करेंगे। उन्होंने दिखाया है कि वे अपने लोगों को सुरक्षा प्रदान करना चाहते हैं।

2. निम्नलिखित वाक्य किसने किससे तथा क्यों कहे?

(क) गायिका ने सम्राट से कहा क्योंकि वह बताना चाहती थी कि नर-हत्या पाप है।

(ख) हींगवाले ने सावित्री से कहा क्योंकि शहर में दंगा हो गया था।

3. पाठ के आधार पर बताइए कि निम्नलिखित वाक्य सही हैं या गलत—

(क) सही (ख) गलत (ग) सही (घ) सही (ङ) गलत

4. निम्नलिखित वाक्यों में से निर्देशानुसार शब्दों को चुनकर लिखिए—

(क) मैंने (ख) काटकर (ग) नमाज़ (घ) एक अन्य यादगार (ङ) हँसी

5. उचित विकल्प चुनिए—

(क) (i) (ख) (ii) (ग) (iii) (घ) (ii) (ङ) (i)

6. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

(क) मैं मित्र की बाट जोह रहा था।

(ख) दौड़ में जीतना तो मेरे बाएँ हाथ का खेल है।

(ग) हमारी नई गाड़ी देखकर पड़ोसियों के कलेजे पर साँप लोटने लगे।

(घ) साँप को सामने देखकर मेरे तो हाथ-पैर ठंडे पड़ गए।

(ङ) सौतेली माँ के लिए उसकी बेटी आँख की किरकिरी बन गई।

(च) भारतीयों की वीरता से अंग्रेज़ों के पाँव उखड़ गए थे।

पाठ 13. सच्ची मित्रता

I. मौखिक कौशल

1. इस पाठ में सच्चे मित्र के बारे में वर्णन किया गया है।
2. जो व्यक्ति मित्र का दुख देखने पर भी दुखी नहीं होता है, वह भारी पाप करता दिखाई पड़ता है।
3. कपटी मित्र काँटे के समान होता है।

II. लिखित कौशल

1. मित्र की छोटी-से-छोटी विपत्ति को भी पहाड़ के समान समझने वाला व्यक्ति सच्चा मित्र होता है।
2. सच्चा मित्र हमारे गुणों के बारे में सबको बताता है तथा हमारे अवगुण दूर करता है।
3. विपत्ति के समय सच्चा मित्र हमारा साथ देता है।
4. मूर्ख सेवक, कंजूस राजा, चरित्रहीन स्त्री तथा कपटी मित्र ये चारों काँटे के समान माने गए हैं।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) अच्छे (ख) कपटी 2. (क) (i) (ख) (iii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

किसी के दुख में शामिल होकर, किसी की सहायता करके, किसी को बुराई के रास्ते से हटाकर अच्छाई के रास्ते पर ले जाकर तथा किसी के गुणों की प्रशंसा करके कोई व्यक्ति किसी दूसरे का सच्चा मित्र बन सकता है।

V. भाषा कौशल

1. (क) गुण (ख) शंका (ग) विपत्ति (घ) पीछे (ङ) कृपण/कंजूस (च) वचन
2. (क) दादा जी का अनुमान है कि आज बारिश होगी।
   (ख) दूसरों के प्रति मृदु व्यवहार रखना चाहिए।
   (ग) हनुमान भगवान श्रीराम के सच्चे सेवक थे।
   (घ) हमें हमेशा दूसरों की भलाई के लिए काम करना चाहिए।
   (अध्यापक/अध्यापिका बच्चों से वाक्य बनवाएँ।)
3. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (i)

VI. रचनात्मक कोना

1. (क) रामायण (ख) महाभारत (ग) सूरसागर (घ) पद्मावत (ङ) मेघदूत
   शेष बच्चे स्वयं करें।

पाठ 14. अपराजिता

I. मौखिक कौशल

1. लेखिका ने कार का दरवाज़ा खुलते ही एक युवती को बैसाखियों के सहारे कार से उतरते देखा।
2. लखनऊ का मेधावी युवक ट्रेन से नीचे गिरा और पहिये के नीचे उसका हाथ पड़ गया। प्राण तो बच गए, पर दायाँ हाथ चला गया।
3. चंद्रा पोलियो का शिकार हो गई थी।
4. चंद्रा ने अपनी स्कूली शिक्षा बंगलौर के प्रसिद्ध माउंट कारमेल स्कूल से पूरी की थी।
5. चंद्रा के एलबम में अंतिम पृष्ठ पर उनकी माता शारदा सुब्रह्मण्यम का चित्र लगा था।

II. लिखित कौशल

1. लेखिका के अनुसार, कभी-कभी अचानक ही विधाता हमें ऐसे विलक्षण व्यक्तित्व से मिला देता है, जिसे देख स्वयं अपने जीवन की रिक्तता बहुत छोटी लगने लगती है।
2. लेखिका ने पहली बार चंद्रा को अपनी कोठी में कार से उतरते देखा था।
3. जब लेखिका ने चंद्रा की कहानी सुनी तो दंग रह गईं। लेखिका को वह लड़की किसी देवांगना से कम नहीं लगी क्योंकि चंद्रा नियति के प्रत्येक कठोर आघात को धैर्य एवं साहस से झेल रही है।
4. जब चंद्रा को पता चला कि लेखिका लखनऊ जाने वाली हैं तब उसने लेखिका से आग्रह किया, "मैडम, आप लखनऊ जाते ही क्या मुझे ड्रग रिसर्च इंस्टीट्यूट से पूछकर यह बताएँगी कि वहाँ आने पर माइक्रोबायोलॉजी से संबंधित कुछ सामग्री मिल सकेगी?"
5. चंद्रा ने तस्वीरें दिखाते हुए कहा था, "मैडम, मैं चाहती हूँ कि कोई मुझे सामान्य-सा सहारा भी न दे। आप तो देखती ही हैं, मेरी माँ को मेरी कार चलानी पड़ती है। मैंने इसी से एक ऐसी कार का मॉडल बनाया है जिससे मैं अपने पैरों के निर्जीव अस्तित्व को भी सजीव बना दूँगी। और यह देखिए, मैंने अपनी प्रयोगशाला में अपने काम-काज का संचालन कितना सुगम बना लिया है। मैं अपना सारा काम अब स्वयं निपटा लेती हूँ।"
6. लेखिका ने चंद्रा की माँ को अद्भुत साहसी जननी कहा था क्योंकि पच्चीस वर्षों तक इस सहिष्णु महिला ने भी पुत्री के साथ-साथ कठिन साधना की। उन्होंने अपनी बेटी चंद्रा की बहुत देख-रेख की थी।
7. (क) इन पंक्तियों का भावार्थ यह है कि यदि मनुष्य में साहस, दृढ़ इच्छाशक्ति, मेहनत करने की आदत एवं लगन हो तो उसके समक्ष बड़ी से बड़ी परेशानी भी सूक्ष्म हो जाती है। जिस तरह चंद्रा ने जन्म से पोलियोग्रस्त होने के बावजूद स्वयं को किसी से कम न समझते हुए, वह मुकाम हासिल किया जहाँ उसके पहुँचने की कोई कल्पना भी नहीं कर सकता था। यह उसके आत्मविश्वास तथा अदम्य साहस का ही परिणाम है।

   (ख) कहावत है कि भगवान के घर में देर है अँधेर नहीं। ईश्वर कभी भी बिलकुल निराश नहीं करता। कहीं न कहीं कोई रोशनी की किरण अँधेरे जीवन में डाल ही देता है। एक रास्ता बंद करता है तो दूसरा खोल भी देता है। अत: हमें अपना कर्म करते रहना चाहिए। फल को ईश्वर पर छोड़ देना चाहिए।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) सही (ख) गलत (ग) सही (घ) सही (ङ) गलत
2. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (ii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. इन पंक्तियों से पता चलता है कि चंद्रा एक साहसी एवं मज़बूत इरादों वाली लड़की है। वह प्रत्येक मुसीबत को आसानी से हँसते हुए झेलती है। अपनी कमियों के लिए भगवान को दोष न देकर अपनी कमी को ही अपनी शक्ति बनाने का प्रयास करती है।
2. डॉ॰ चंद्रा की माँ ने अपना फ़र्ज़ बखूबी निभाया है। उन्होंने कभी भी अपनी बेटी को असहाय महसूस नहीं होने दिया। उन्होंने कदम-कदम पर अपनी बेटी चंद्रा को मज़बूती प्रदान की। खुद ढाल बनकर चंद्रा को दुनिया से लड़ने की हिम्मत दी। ऐसी जननी निःसंदेह धरती माता की तरह पूजनीय है। उनके चरित्र से हम भी ऐसा बनने की प्रेरणा ले सकते हैं।

V. भाषा कौशल

1. (क) महत्व + आकांक्षा – दीर्घ संधि (ख) निर् + जीव – गुण संधि
   (ग) पक्ष + आघात – दीर्घ संधि (घ) निर् + अंतर – यण संधि
   (ङ) सर्व + उच्च – गुण संधि (च) निः + प्राण – विसर्ग संधि
   (छ) सर्व + अंग – दीर्घ संधि
2. (क) वि + लक्षण (ख) सु + गम (ग) अन + होनी (घ) प्र + भाव
3. (क) स्त्रीलिंग (ख) पुल्लिंग (ग) पुल्लिंग (घ) स्त्रीलिंग
   (ङ) स्त्रीलिंग (च) पुल्लिंग
4. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (ii)

VI. रचनात्मक कोना

बच्चे स्वयं करें।

पाठ 15. होटल मार्स का रहस्य

I. मौखिक कौशल

1. होटल का नाम मंगल ग्रह के नाम पर था।

2. होटल सुबह आठ बजे खुलता था और रात बारह बजे तक खुला रहता था।

3. होटल के बारे में लोगों का मानना था कि शायद यह नए तरीके का होटल है इसलिए इसका इंतज़ाम करने वाले चुपचाप कहीं बैठे रहते हैं। **4.** बौने हरे रंग के थे।

II. लिखित कौशल

1. होटल जिस क्षेत्र में खुला था उसके आस-पास कई बड़ी-बड़ी प्रयोगशालाएँ थीं। अणुशक्ति का नया और विशाल केंद्र अभी हाल ही में खुला था। यह होटल शहर से तीस-चालीस किलोमीटर की दूरी पर खुला था।

2. होटल की एक विचित्र बात यह थी कि यहाँ न तो कोई सेवक था और न ही कोई प्रबंधक आदि। इस होटल की व्यवस्था कौन करता है, यह एक रहस्य ही था।

3. वीनू ने मन-ही-मन होटल के सभी पहलुओं को जानने का निश्चय किया।

4. वीनू ने बड़े हॉल में बैठकर देखा कि वह चारों ओर से बंद है। केवल एक ओर से दरवाज़ा है जहाँ से लोग आते-जाते हैं। दीवार के एक तरफ़ दो ट्रॉलियों के आने-जाने का छोटा-सा रास्ता है। न तो कहीं कोई खिड़की है और न ही कोई ऐसा गुप्त स्थान है जहाँ से छिपकर कोई कुछ देख सकता हो।

5. जब होटल के बंद होने का अलार्म बजा तब वीनू भी और लोगों के साथ उठा और चुपचाप डिटेक्टर मशीन की ओट में दीवार के सहारे छिपकर बैठ गया।

6. होटल के बंद होने पर बौने कद के कई लोग न जाने कहाँ से निकल आए। हरे रंग के वे लोग विचित्र आकार के थे। उनकी नाक बिलकुल सूँड़ जैसी थी लेकिन आकार में छोटी थी। उनके हाथ-पैर ऐसे थे मानो स्प्रिंग के बने हों। उन्होंने फटाफट उस होटल की मेज़ों के नीचे लगे टेपरिकॉर्डर निकाले और उन्हें बजा-बजाकर सुनने लगे। वास्तव में उनमें उनलोगों की बातें रिकॉर्ड की गई थीं जो होटल में आकर बैठते और बातें करते थे। जब कोई साधारण या घर-द्‌वार की बातें होतीं तो वे टेप को आगे बढ़ा देते लेकिन जैसे ही विज्ञान संबंधी किसी बात की चर्चा होती तो उसे वे तुरंत नोट करने लगते।

7. होटल का रहस्य जान लेने के बाद वीनू सोचने लगा, 'हमलोग भी कितने नादान हैं। अपनी महत्वपूर्ण बातों की चर्चा होटल जैसी जगहों पर करते हैं और यह भूल जाते हैं कि दीवारों के ही नहीं मेज़ों के भी कान होते हैं।'

8. वीनू के भाग जाने के दूसरे ही क्षण दरवाज़ा अचानक तेज़ी से बंद हो गया। वह होटल एक बार ज़ोर से ऐसे हिला मानो वहाँ भूकंप आ गया हो। भागता हुआ वीनू सँभल न सका और गिर पड़ा। एकाएक होटल बड़ी तेज़ी से घूमा और 'जूँ··· ऊँ···' करता हुआ पल भर में ऊपर उड़ गया। सारा घटनाक्रम जानकर लोग हैरान थे और शर्मिंदा भी!

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) सही (ख) सही (ग) सही (घ) गलत (ङ) गलत (च) सही

2. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (ii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. इस पंक्ति से पता चलता है कि वीनू जिज्ञासु प्रवृत्ति का लड़का था। वह सतर्क और जागरूक भी था तथा अपने आस-पास हो रही गतिविधियों के प्रति सचेत रहता था।
2. किसी भी व्यक्ति की स्वाभाविक मानसिकता होती है बातें करना, चर्चा करना। हम रास्ते पर चलते हुए वाहनों में, होटल या शादी-समारोह आदि स्थानों पर चर्चा करने से नहीं चूकते। परंतु हम यह भूल जाते हैं कि सार्वजनिक स्थानों पर गोपनीय बातें नहीं करनी चाहिए। इससे कभी-कभी बड़ा अनर्थ हो जाता है।

V. भाषा कौशल

1. (क) अणु की शक्ति – तत्पुरुष समास (ख) घर और द्वार – द्वंद्व समास
   (ग) प्रयोग के लिए शाला – तत्पुरुष समास (घ) घटनाओं का क्रम – तत्पुरुष समास
   (ङ) हाथ तथा पैर – द्वंद्व समास (च) बहुत दूर – अव्ययीभाव समास
   (छ) आना और जाना – द्वंद्व समास (ज) खाना और पीना – द्वंद्व समास
   (झ) एक एक – अव्ययीभाव समास (ञ) विद्युत का वेग – तत्पुरुष समास
2. (क) सकर्मक (ख) सकर्मक (ग) अकर्मक (घ) सकर्मक
3. (क) देश की प्रगति में प्रत्येक व्यक्ति का योगदान किसी न किसी रूप में महत्वपूर्ण होता है।
   (ख) स्टेशनों, मॉल तथा होटलों आदि जगहों पर स्वचालित सीढ़ियाँ होना आजकल आम बात है।
   (ग) सेना ने दुश्मन देश के इरादों का पर्दाफ़ाश किया।
   (घ) बौने किसी जासूस की तरह जानकारी एकत्र कर रहे थे।
   (ङ) होटल का नियंत्रण बड़े रहस्यमय ढंग से होता था।
   (अध्यापक/अध्यापिका बच्चों से वाक्य बनवाएँ।)
4. (क) (iii) (ख) (iii) (ग) (ii)

VI. रचनात्मक कोना

1. शेष बच्चे स्वयं करें।

पाठ 16. गूँज उठी शहनाई

I. मौखिक कौशल

1. शहनाईवादक।
2. बिस्मिल्ला खाँ को सबसे पहले शहनाईवादन की बारीकियाँ उनके मामा स्वर्गीय उस्ताद अली बख्श खाँ ने सिखाई थीं।
3. भारत जिस दिन आज़ाद हुआ था उस दिन बिस्मिल्ला खाँ ने लालकिला पर शहनाई बजाई।
4. छिब्बा जी ने बिस्मिल्ला खाँ की जीवनी पर फ़िल्म बनाई है।
5. लता जी की आवाज़ के बारे में बिस्मिल्ला खाँ ने कहा कि लता जी सुरीली आवाज़ की धनी हैं।

II. लिखित कौशल

1. सलार हुसैन खाँ बिस्मिल्ला खाँ के दादा जी के दादा जी थे और रसूल बख्श खाँ बिस्मिल्ला खाँ के दादा जी थे।
2. उस्ताद अली बख्श खाँ बिस्मिल्ला खाँ के मामा और गुरु थे।
3. कोलकाता में आयोजित 'अखिल भारतीय संगीत सम्मेलन' में शहनाई बजाने पर बिस्मिल्ला खाँ को शहनाईवादक के रूप में पहचान मिली थी।
4. नवाब पटौदी साहब ने घोषणा कर दी थी कि आज बहुत ही खुशी की बात है कि हम आज़ादी का कार्यक्रम कर रहे हैं। हमारे हिंदुस्तान में तहज़ीब है कि खुशी के अवसर पर गरीब-अमीर हर आदमी शहनाई बजवाता है। यहाँ लालकिला के इस दीवान-ए-खास में भी हम शहनाई बजवाना चाहते हैं और वह भी उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ से।
5. बंबई में बिस्मिल्ला खाँ के एक धनवान मित्र रहते थे। एक दिन बात-बात में उन्होंने बिस्मिल्ला खाँ से पूछा कि आप कितनी देर तक लगातार शहनाई बजा सकते हैं? बिस्मिल्ला खाँ ने कहा कि आप जब तक कहेंगे तब तक मैं बजा सकता हूँ, लेकिन एक शर्त पर कि मैं बजाने के बदले पैसे लूँगा। उन्होंने पाँच घंटे लगातार बजाने को कहा। बिस्मिल्ला खाँ ने कहा, "सौ रुपये लूँगा।" उस वक्त सौ रुपये बहुत होते थे। तब बारह आने में भरपेट खाना मिल जाता था। बिस्मिल्ला खाँ ने शहनाई बजानी शुरू की। उन्होंने शुरू में सोचा कि ये पाँच घंटे क्या बजाएँगे, लेकिन बिस्मिल्ला खाँ बजाते गए। साढ़े तीन घंटे बीत गए। फिर चार घंटे। इस तरह पाँच घंटे और पाँच मिनट तक बिस्मिल्ला खाँ लगातार शहनाई बजाते रहे।
6. बिस्मिल्ला खाँ ने 'गूँज उठी शहनाई' फ़िल्म में संगीत निर्देशक के रूप में काम किया था। इसके अलावा तमिल फ़िल्म 'सनाधी अपन्ना' में भी संगीत निर्देशन किया था। फ़िल्मी दुनिया से बिस्मिल्ला खाँ का इतना ही संबंध रहा।
7. बिस्मिल्ला खाँ के योगदान को संरक्षित रखने में दाऊदयाल महाविद्यालय, फ़िरोज़ाबाद की संगीत विभाग की व्याख्याता सुश्री इला तिवारी ने उनकी शहनाईवादन की शैली पर पी॰एच॰डी॰ की है। श्री छिब्बा जी और श्री ज्ञान सेठ साहब ने बिस्मिल्ला खाँ की जीवनी पर फ़िल्में बनाई हैं।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) गलत (ख) गलत (ग) सही (घ) सही (ङ) गलत
2. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (i)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. इन पंक्तियों से बिस्मिल्ला खाँ के व्यक्तित्व के बारे में पता चलता है कि वे अपने देश हिंदुस्तान और विशेषकर बनारस से बहुत प्रेम करते थे। जिस मिट्टी में वे पले-बढ़े थे, उसे छोड़कर वे नहीं जाना चाहते थे।
2. हिंदू फ़नकार हों या मुसलमान फ़नकार संगीत सब धर्मों से ऊपर है। संगीत सभी का है। इसमें हिंदू या मुसलमान धर्म या संप्रदाय की कोई बात नहीं आनी चाहिए। संगीत को किसी भी सरहद या धर्म-जाति के बंधनों में कैद नहीं किया जा सकता।

V. भाषा कौशल

1. (क) दिखाना, दिखवाना (ख) बजाना, बजवाना (ग) सिखाना, सिखवाना
   (घ) पहुँचाना, पहुँचवाना (ङ) निकालना, निकलवाना (च) दिलाना, दिलवाना
   (छ) मिलाना, मिलवाना
2. (क) कौशल, योग्यता (ख) नियम, सिद्धांत (ग) भेंट, उपहार (घ) समय
   (ङ) प्रसिद्ध (च) कलाकार
3. (क) ईय – राष्ट्रीय, भारतीय (ख) इक – पारंपरिक, वैज्ञानिक (ग) ई – गरीबी, अमीरी
   (घ) इत – प्रचलित, चर्चित (ङ) वान – भाग्यवान, दयावान
   (च) पन – अपनापन, छुटपन
4. (क) (ii) (ख) (ii) (ग) (iii)

VI. रचनात्मक कोना

1. मृदंग, डफली, नगाड़ा, इकतारा, सरोद, बाँसुरी, शहनाई, सारंगी, ढोलक, तानपूरा
   शेष बच्चे स्वयं करें।

पाठ 17. शाप-मुक्ति

I. मौखिक कौशल

1. डॉ॰ प्रभात दिल्ली के एक बड़े प्रसिद्ध नेत्र-चिकित्सक थे।

2. डॉ॰ प्रभात ने लेखक को बब्बू नाम से पुकारा था।

3. मंटू ने पिल्लों की आँखों में आक के पौधों का दूध डाल दिया था।

4. मंटू के पिता वकील थे।

II. लिखित कौशल

1. लेखक डॉ॰ प्रभात के पास अपनी दादी की आँखों का इलाज कराने गए थे।

2. लेखक ने जब डॉ॰ प्रभात को गौर से देखा तो उनको डॉ॰ प्रभात की हँसी कुछ जानी-पहचानी लगी थी, फिर ध्यान से देखने पर उनका चेहरा भी कुछ परिचित-सा मालूम हुआ। लेकिन, याद नहीं आ रहा था कि इन्हें पहले कहाँ देखा है।

3. लेखक का बचपन का नाम बब्बू और डॉ॰ प्रभात का नाम मंटू था।

4. दादी ने डॉ॰ प्रभात से इलाज करवाने से इसलिए मना कर दिया था क्योंकि वह उन्हें पहचान गई थीं कि यह उसी वकील का बेटा मंटू है, जिसने बचपन में आक के पौधों का दूध डालकर कुतिया के पिल्लों की आँखें फोड़ दी थीं।

5. डॉ॰ प्रभात और लेखक बचपन में आक के पत्ते तोड़ रहे थे। ऐसा करते हुए उनके स्कूल के अध्यापक ने उन्हें देख लिया और डाँट लगाई। उन्होंने बताया कि आक के पत्ते तोड़ने से जो गाढ़ा-सा सफ़ेद दूध निकलता है, यदि वह आँखों में चला जाए तो आदमी अंधा हो जाता है। यह जानकारी लेखक और डॉ॰ प्रभात के लिए एकदम नई और विस्मयकारी थी। प्रयोग के तौर पर डॉ॰ प्रभात ने कुतिया के तीनों पिल्लों की आँखों में आक का दूध भर दिया जिससे वे तीनों अंधे हो गए। धीरे-धीरे वे तीनों पिल्ले इधर-उधर भटककर मर गए।

6. दादी, माँ और परिवार के अन्य सभी लोग लेखक से बार-बार रोने का कारण पूछ रहे थे। तभी लेखक को तीसरे पिल्ले का ध्यान आ गया, जो अभी जीवित था और उसकी जान बचाना लेखक को मंटू को पिटाई से बचाने से ज़्यादा ज़रूरी लग रहा था। इसलिए लेखक ने रोते-रोते सारी बात बता दी ताकि तीसरे पिल्ले की जान बचाई जा सके।

7. शाम को प्रभात लेखक के घर पर था और दादी से कह रहा था, "दादी अम्माँ! मैंने बचपन में जो पाप किया था, उसे मैं आज तक नहीं भूला हूँ और मैं उस शाप को भी नहीं भूला हूँ, जो आपने मुझे दिया था। जब तक आप इलाहाबाद में रहीं, मुझे देखते ही कहने लगती थीं – अरे, कम्बख्त मंटुआ! तूने मासूम पिल्लों की आँखें फोड़ी हैं, तेरी आँखें भी किसी दिन इसी तरह फूटेंगी। आपके इस शाप से मुझे अपने पाप का बोध हुआ और मैंने फ़ैसला कर लिया कि मुझे जीवन में नेत्र-चिकित्सक ही बनना है। मेरी आँखें तो आपके शाप के कारण कभी-न-कभी फूटेंगी ही पर उससे पहले मैं बहुत-सी आँखों को रोशनी दे जाऊँगा। उन बहुत-सी आँखों में से दो आँखें आपकी भी होंगी, दादी अम्माँ!"

8. डॉ॰ प्रभात की बातों में न जाने कैसा जादू था कि दादी भाव-विह्वल हो उठीं। दादी समझ गई थीं कि प्रभात को अपनी भूल का पश्चाताप हो चुका है और अब वह लोगों की मदद कर रहा है। यह सब समझने के बाद दादी के व्यवहार में परिवर्तन आया और वे इलाज कराने के लिए भी तैयार हो गईं।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) विनोदी (ख) इलाहाबाद (ग) शाप (घ) मिठाई
2. (क) (i) (ख) (ii) (ग) (i)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. इन पंक्तियों से लेखक के व्यक्तित्व के बारे में पता चलता है कि पहले उन्होंने अपनी दोस्ती का फ़र्ज़ निभाना चाहा परंतु बाद में उन्हें दोस्ती के फ़र्ज़ से कहीं ऊपर एक जीव के प्राण बचाना ज़रूरी जान पड़ा। लेखक एक सच्चे और अच्छे इनसान थे।
2. इन पंक्तियों से डॉ॰ प्रभात के बारे में पता चलता है कि उन्हें अपने पाप का बोध हुआ। वे डॉक्टर बनकर उसका प्रायश्चित भी कर रहे थे। वे लोगों की आँखों को रोशनी दे रहे थे क्योंकि उन्होंने पिल्लों की आँखों की रोशनी छीन ली थी। पाप का प्रायश्चित करने से पाप धुल जाता है। डॉ॰ प्रभात अपने पेशे के प्रति ईमानदार और एक सज्जन पुरुष थे।

V. भाषा कौशल

1. (क) उद्देश्य – तुम — विधेय – हमारे बचपन के मित्र हो।
   (ख) उद्देश्य – मेरी दादी — विधेय – विनोदी स्वभाव की थीं।
   (ग) उद्देश्य – दादी की — विधेय – आँखें जल्द ठीक हो जाएँगी।
   (घ) उद्देश्य – मंटू — विधेय – के साथ मैं बचपन में खेला करता था।
   (ङ) उद्देश्य – हमारे स्कूल के अध्यापक — विधेय – उधर से गुज़र रहे थे।
   (च) उद्देश्य – उन्होंने — विधेय – हमें देख लिया था।
2. (क) उसी (ख) इस (ग) उस (घ) इस
3. (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (i)

VI. रचनात्मक कोना

1. भगवान, बचपन, बदमाश, परिचित, चिकित्सक, अबोध, अचानक, नज़र
2. बच्चे स्वयं करें।

पाठ 19. वही मनुष्य है

I. मौखिक कौशल

1. यह कविता सच्चे मनुष्य के बारे में है।
2. इस कविता के रचयिता मैथिलीशरण गुप्त हैं।
3. जो मनुष्य दूसरे मनुष्य के काम आए उसे सच्चा मनुष्य कहते हैं।

II. लिखित कौशल

1. अपने आपको मर्त्य मान लेने से हमें कभी भी मृत्यु से डर नहीं लगेगा और हम कोई भी कार्य साहसपूर्वक कर सकते हैं।
2. जो मनुष्य दूसरे मनुष्य के काम आए और दूसरों के लिए ही मरे, ऐसे व्यक्ति से धरती अपने आपको कृतार्थ मानती है।
3. जो मनुष्य दूसरों के हित के लिए काम करे, अंतरिक्ष के देव ऐसे मनुष्य को सहारा देने के लिए खड़े हैं।
4. (क) जो मनुष्य पूरे विश्व में अखंड आत्म-भाव भरे और जो दूसरों के लिए मरे, वही सच्चा प्राणी है।
   (ख) हमें सिर्फ़ अपने लिए ही नहीं जीना चाहिए अपितु दूसरों के बारे में भी सोचना चाहिए। उनके सुख-दुख में सम्मिलित होना चाहिए। क्योंकि ज़रूरतमंद लोगों की मदद करने से ही इनसान बड़ा बनता है।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) वृथा, जिया (ख) सरस्वती, कृतार्थ (ग) अभीष्ट, विघ्न
2. (क) (ii) (ख) (i)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. इस कविता से हमें दूसरों के लिए जीने तथा सहयोग करने की प्रेरणा मिलती है।
2. एक मनुष्य को दूसरे मनुष्य के काम आना चाहिए। आपसी प्रेम से मिल-जुलकर काम करना चाहिए। इस पंक्ति में मानवता के लिए यही संदेश छिपा है।

V. भाषा कौशल

1. (क) कृत + अर्थ – दीर्घ संधि (ख) परस्पर + अवलंब – दीर्घ संधि
   (ग) अन् + अंत – व्यंजन संधि
2. (क) अ – अमर, अविश्वास (ख) स – सजीव, सपरिवार (ग) प्र – प्रलय, प्रसिद्ध
3. (क) स्त्रीलिंग (ख) पुल्लिंग (ग) पुल्लिंग (घ) स्त्रीलिंग
4. (क) (i) (ख) (i) (ग) (iii)

VI. रचनात्मक कोना

बच्चे स्वयं करें।

पाठ 20. उपहार

I. मौखिक कौशल

1. कारवास्की को फ़ोन करने वाली महिला ने अपना नाम मिसेज़ क्लॉस बताया था।
2. कारवास्की टोरंटो में रहता था।
3. आगंतुका ने अपना नाम लिल मिलर बताया।
4. कारवास्की की टाँग मधुमेह के कारण काटनी पड़ी थी।
5. कारवास्की ने लिफ़ाफ़ा बैंक के अधिकारी को सौंपा।
6. लिल मिलर एक स्वेटर, एक कमीज़, लॉटरी की कुछ टिकटें और पाँच सौ डॉलर कारवास्की को देने के लिए दोबारा लौटकर आई थीं।

II. लिखित कौशल

1. फ़ोन पर महिला ने कारवास्की से अनुरोध किया कि मैं आपके लिए कुछ उपहार भेज रही हूँ। अस्वीकार न कीजिएगा।
2. उपहार की बात सुनकर कारवास्की ने आवाज़ को पहचानने की कोशिश की, बार-बार सिर खुजाया। सोचा, पर कुछ भी समझ में नहीं आया। वह बुदबुदाया, "ज़रूर किसी ने उसके साथ 'बड़ा दिन' के अवसर पर मज़ाक किया है।"
3. बातचीत के बाद कारवास्की को लिल मिलर के बारे में पता चला कि लिल मिलर बड़ा दिन के अवसर पर प्रतिवर्ष एक ईमानदार, त्यागी तथा सेवा-भावी व्यक्ति को चुनकर उपहार दिया करती हैं।
4. लिल मिलर ने अपने बारे में बतलाया, "भैया कारवास्की! मेरे माता-पिता पैसेवाले नहीं थे। लेकिन, आपको क्या बताऊँ, उनका दिल बहुत बड़ा था – बहुत ही बड़ा। वे कहते थे – जो अच्छे और सच्चे लोगों को देता है, वह अपने जीवन में बहुत पाता है। पिता जी जब तक जीवित रहे, बराबर देते रहे। वही संस्कार मैंने बचपन से ही उनसे ग्रहण किया है। मैं बड़ा दिन के अवसर पर कुछ उपहार और कुछ राशि यह सोचकर दिया करती हूँ कि जिस भले आदमी को मिलेगा, उसका बड़ा दिन कुछ आनंद से बीतेगा।"
5. कारवास्की की अंतरात्मा बोल उठी, 'अरे कारवास्की! क्यों पाप का भागी बनता है? तू इनसान है और उस नाते तेरा कुछ कर्तव्य भी है।'
6. कारवास्की के पिता चल बसे थे। उसकी पत्नी भी छोड़कर चली गई थी। उसका बायाँ पैर तो पहले ही कट गया था और बढ़ते हुए मधुमेह के कारण दाहिने पैर के कटने की भी नौबत आ गई थी।
7. लिल मिलर ने कारवास्की के चेहरे पर निराली मासूमियत और आँखों में अद्‌भुत प्रेम छलकते हुए देखा।
8. कारवास्की ने लिल मिलर से ऐसा इसलिए कहा क्योंकि उसने नहीं सोचा था कि इनसानियत के नाते उसने जो कुछ किया था उसका इतना बड़ा पुरस्कार मिलेगा।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (ङ) (घ) (ख) (क) (च) (ग) **2.** (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. (क) किसी व्यक्ति की सहायता करने वाले को लोगों से आदर-सम्मान मिलता है।
   (ख) लिल मिलर के पिता ने अच्छे और सच्चे लोगों की मदद करने के मानवीय गुण को दिखाया।।
   (ग) दूसरों की मदद करना और उनके जीवन में खुशियाँ बाँटना, लिल मिलर ने अपने पिता से ऐसे संस्कार ग्रहण किए हैं।
2. इन पंक्तियों में निःस्वार्थ भाव से दूसरों की सेवा-सहायता करने तथा लालच एवं प्रलोभनों के आगे न झुकने जैसे मानवीय गुणों की बात कही गई है।

V. भाषा कौशल

1. (क) साधारण वाक्य (ख) निषेधवाचक वाक्य (ग) साधारण वाक्य
   (घ) प्रश्नवाचक वाक्य (ङ) साधारण वाक्य (च) निषेधवाचक वाक्य (छ) प्रश्नवाचक वाक्य
2. (क) वह अंदर से क्यों सिहर उठा था? (ख) प्रभु ने मेरा साथ नहीं दिया।
   (ग) लिल मिलर चली गईं। (घ) कारवास्की हैरान नहीं हो रहा था।
   (ङ) क्या आप स्कारबरो में रहती हैं? (च) मेरे माता-पिता पैसेवाले थे।
3. (क) अजनबी व्यक्तियों पर शीघ्र ही भरोसा नहीं करना चाहिए।
   (ख) दरवाज़े पर खड़ी आगंतुका निर्मला की बचपन की सहेली थी।
   (ग) वर्षों बाद सुमन को अपने सामने देख निर्मला बहुत आनंदित हुई।
   (घ) रिपोर्ट दर्ज करते समय पुलिस ने चोरी हुए सामान का सारा विवरण माँगा।
   (ङ) पुलिस ने आतंकवादी को पकड़वाने वाले को 25 हज़ार रुपये का पुरस्कार दिए जाने की घोषणा की।
4. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (i)

VI. रचनात्मक कोना

1. 2. बच्चे स्वयं करें।

पाठ 21. अनुभव से सीख

I. मौखिक कौशल

1. एन॰आर॰ नारायण मूर्ति ने इनफ़ोसिस कंपनी की स्थापना की थी।
2. नारायण मूर्ति ने इंजीनियरिंग की पढ़ाई भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर से की थी।
3. पेरिस से भारत लौटते समय बुल्गारिया देश की पुलिस ने नारायण मूर्ति को गिरफ़्तार कर लिया था।
4. भारतीय पुराणों में आत्म-ज्ञान ही सर्वश्रेष्ठ ज्ञान माना गया है।

II. लिखित कौशल

1. एन॰आर॰ नारायण मूर्ति इनफ़ोसिस कंपनी के अध्यक्ष हैं।
2. नारायण मूर्ति ने सन् 2007 में न्यूयार्क के 'स्टर्न स्कूल ऑफ़ बिजनेस' में भाषण दिया था।
3. नारायण मूर्ति ने अपने अनुभव इसलिए बाँटे ताकि उनके संघर्षों के बारे में जानकर सुनने वालों के जीवन पर एक सकारात्मक प्रभाव पड़े। वे लोग जान सकें कि कभी-कभी किस तरह परिस्थितियाँ, कोई अवसर या किसी व्यक्ति से मुलाकात उनके जीवन को नया आकार दे सकते हैं।
4. एक दिन रविवार की सुबह नाश्ता करते समय नारायण मूर्ति को अमरीकी विश्वविद्यालय के प्रसिद्ध कंप्यूटर वैज्ञानिक से मिलने का अवसर मिला। वे विद्यार्थियों के समूह के साथ कंप्यूटर विज्ञान के क्षेत्र में हो रहे नए-नए परिवर्तनों एवं विकास के संबंध में चर्चा कर रहे थे। वे चहुँमुखी प्रतिभा के धनी और इतने प्रभावशाली व्यक्ति थे कि किसी की भी विचारधारा को आसानी से बदल दें। नारायण मूर्ति उनसे इतना प्रभावित हुए कि नाश्ता समाप्त करके सीधे पुस्तकालय में जा पहुँचे और वहाँ उन शोध-पत्रों को ढूँढ़ निकाला, जिनका उल्लेख कंप्यूटर वैज्ञानिक ने नाश्ता करते समय किया था। उन शोध-पत्रों को पढ़ने के उपरांत जब नारायण मूर्ति पुस्तकालय से बाहर निकले तो यह निश्चय कर चुके थे कि उन्हें कंप्यूटर विज्ञान में ही अपना भविष्य बनाना है।
5. सन् 1974 की बात है। नारायण मूर्ति पेरिस से भारत लौट रहे थे। रास्ते में बुल्गारिया रुके थे जहाँ से उन्होंने निस रेलवे स्टेशन पर इस्तांबुल जाने के लिए रात में 'सोफिया एक्सप्रेस' पकड़ी थी। रेलगाड़ी के डिब्बे में कुछ ऐसी गलतफ़हमी हुई कि बुल्गारिया की पुलिस ने उन्हें गिरफ़्तार कर लिया। शायद उन्हें किसी ने सूचना दी थी कि वे एक महिला सहयात्री के साथ वहाँ की सरकार के विरुद्ध बातचीत कर रहे हैं। एक छोटे-से कमरे में अमानवीय परिस्थितियों में उन्हें 72 घंटे तक कैद में रखा गया। इसके बाद उन्हें रिहा करके पुलिसवालों ने इस्तांबुल जाने वाली गाड़ी में गार्ड के डिब्बे में बिठा दिया।
6. इनफ़ोसिस की नींव रखने के साथ ही नारायण मूर्ति तथा उसके सहयोगियों को चुनौतियों ने घेर लिया था। इन चुनौतियों ने उनके धैर्य की परीक्षा ली। कभी-कभी तो ऐसा लगा कि कंपनी का भविष्य अंधकारमय हो चला है। लेकिन, नारायण मूर्ति और उनके सहयोगियों ने इन चुनौतियों का डटकर सामना किया। इसी संदर्भ में नारायण मूर्ति ने कहा कि मेरा यह विश्वास है कि जब अँधेरा सबसे ज़्यादा गहरा होता है तब सुबह सबसे नज़दीक होती है।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) गलत (ख) गलत (ग) सही (घ) सही (ङ) गलत
2. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (iii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. इन पंक्तियों से पता चलता है कि नारायण मूर्ति अपने देश तथा देशवासियों से अत्यधिक लगाव रखते हैं। इसलिए उनके मन में देशवासियों के लिए कुछ करने का विचार अंकुरित हुआ।
2. इन पंक्तियों से हमें प्रेरणा मिलती है कि कभी भी हिम्मत नहीं हारनी चाहिए। हमें चुनौतियों का डटकर मुकाबला करना चाहिए। भले ही अंधकार गहरा हो पर संयम बनाए रखो क्योंकि रोशनी की किरण नज़दीक ही है।

V. भाषा कौशल

1. (क) सु + इच्छा (ख) सम् + मान (ग) प्र + उद्योगिकी (घ) पुस्तक + आलय
2. (क) विकसित (ख) आध्यात्मिक (ग) अमानवीय (घ) आमंत्रित
   (ङ) भारतीय (च) व्यक्तित्व (छ) अनुभवी
3. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (ii)

VI. रचनात्मक कोना

1. शेष बच्चे स्वयं करें।

पाठ 22. भविष्य का भय

I. मौखिक कौशल

1. टुनी नौकरानी की बेटी थी।
2. स्कूल से लौटकर जब ताने सुनने पड़े तो तुलतुल रूठकर छत की सीढ़ियों वाले दरवाज़े के पास बैठ गई।
3. 'अंतर्राष्ट्रीय बालवर्ष' के बारे में तुलतुल को उसकी अध्यापिका ने बतलाया था।
4. तुलतुल ने माँ से नाश्ता माँगा और उसके बाद टुनी से कहा, "ऐ टुनी, मेरे साथ चल, पूड़ियाँ खाएँगे।"
5. माँ ने तुलतुल से कहा था कि तू जब बड़ी होगी तो संसार को बदल डालना। तू और तेरे सभी दोस्त मिलकर हम लोगों की तरह पाप नहीं करना। बस इसी बात पर तुलतुल बिलखकर रो पड़ी।

II. लिखित कौशल

1. तुलतुल जब स्कूल से लौटी तब दादी माँ बोल पड़ीं, "लो आ गई बहादुर लड़की! और बहादुरी का फल भी देख लो। खैर तुम्हारा क्या? भोगना तो हमलोगों को है।"
2. मेज़ पर खाना लगाते समय माँ ने तुलतुल से कहा, "खाना खाकर बदन में ताकत लाओ फिर काम में जुट जाओ, तुलतुल! जब किसी का कहा कुछ सुनोगी नहीं तो और क्या होगा?"
3. तुलतुल के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय बालवर्ष पर छोटे-छोटे लड़के-लड़कियों की ज़्यादा देखभाल करनी होगी और उन्हें प्यार करना पड़ेगा। अच्छा-अच्छा खाना देना होगा, अच्छे-अच्छे कपड़े और जूते पहनने के लिए देने होंगे, उन्हें पढ़ाना-लिखाना होगा। बच्चे बीमार न पड़ें, उसका भी ध्यान रखना होगा। बच्चों से कोई गंदा या छोटा काम नहीं करवाया जाएगा।
4. तुलतुल की अध्यापिका के अनुसार, "हमारे घरों में जो काम करने आते हैं यानी जो बर्तन माँजते हैं, कपड़े धोते हैं, झाड़ू-पोंछा करते हैं, उनके बच्चों को ही यदि हम सिर्फ़ थोड़े प्यार की आँखों से देखें, अगर कोशिश करें कि वे भी थोड़ा अच्छा खा लें, सर्दी के दिनों में पूरा बदन ढँकने का कपड़ा मिल जाए, पढ़ने-लिखने की सुविधाएँ दी जाएँ, बीमारी में दवा मिल जाए तो लगेगा दुनिया में हमने कुछ अच्छा काम किया है।
5. टुनी दुबली-पतली हड्डियों का ढाँचा मात्र दिखती है। ऐसी टुनी ठंडे पानी से बर्तन धोएगी और तुलतुल गरम पानी में हाथ-मुँह धोकर गरम कपड़े पहनकर गरमागरम पूड़ियाँ खाएगी? तुलतुल बड़ों को ऐसी भूल नहीं करने देगी। अंतर्राष्ट्रीय बालवर्ष में टुनी जैसे हज़ारों बच्चों की देखभाल होनी ही चाहिए।
6. माँ ने अंत में तुलतुल को समझाया कि इस दुनिया को नए सिरे से बदलने की क्षमता तो मेरी है नहीं और अगर ऐसा न किया जाए तो इस संसार का उद्धार भी नहीं होने का। तू जब बड़ी होगी तो इसे बदल डालना। तू और तेरे सभी दोस्त मिलकर। हमलोगों की तरह का पाप, तुमलोग नहीं करना।"
7. (क) यह वाक्य टुनी ने तुलतुल से कहा था। टुनी कोयला तोड़ रही थी परंतु उसका हथौड़ा तुलतुल ने छीनकर फेंक दिया। टुनी को डर था कि उसकी माँ कहीं उसे डाँट न दे।
   (ख) यह वाक्य टुनी की माँ ने टुनी से कहा था। जब तुलतुल ने टुनी को नल के नीचे से खींच लिया तब टुनी बेवकूफ़ की तरह अपनी माँ को देख रही थी।

(ग) यह वाक्य तुलतुल ने अपनी माँ से कहा था। तुलतुल चाहती थी कि टुनी से काम न करवाया जाए और उसे स्कूल भेजा जाए। तुलतुल अपनी माँ से ऐसा चाह रही थी मगर ऐसा हो न सका।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) धुलवा (ख) पूड़ियाँ (ग) लड़कियों (घ) नाना (ङ) हाथ

2. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (iii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. तुलतुल के चरित्र में अपनापन, साहस, दूसरों की परेशानियाँ समझना तथा उनकी मदद करना, जागरूकता फैलाना तथा उत्साह जैसे गुण विशेष रूप से दिखाई देते हैं।

2. माँ ने अंत में तुलतुल को जो नसीहत दी उससे पता चलता है कि वे भी तुलतुल को सही मान रही थीं। वे तुलतुल को अच्छाई के रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित कर रही थीं। वे अपनी बेटी तुलतुल से बहुत प्यार करती थीं।

V. भाषा कौशल

1. (क) हमें जल का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।
मोती की कीमत उसकी चमक से होती है।
(ख) काम छोड़ने के अलावा टुनी की माँ को कोई और उपाय न सूझा।
पशुओं का भोजन घास-पात होता है।
(अध्यापक/अध्यापिका बच्चों से वाक्य बनवाएँ।)

2. (क) आसन्न भूतकाल (ख) संभाव्य भविष्यत् काल (ग) सामान्य भूतकाल
(घ) सामान्य भूतकाल (ङ) पूर्ण भूतकाल (च) सामान्य भूतकाल
(छ) संभाव्य भविष्यत् काल (ज) सामान्य वर्तमान काल

3. (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (i) (घ) (iii) (ङ) (i)

VI. रचनात्मक कोना

1. ऊपर से नीचे–(1) बहादुरी (2) अकारण (5) हस्त
बाएँ से दाएँ–(2) अस्थि (3) शरीर (4) राह (6) पुस्तक
शेष बच्चे स्वयं करें।

पाठ 23. भारत-दर्शन

I. मौखिक कौशल

1. तेजपुर असम राज्य में स्थित है।
2. अनंतगिरि जाने के लिए आंध्र प्रदेश राज्य में जाना होगा।
3. शीतलाखेत से खूँट गाँव की दूरी दो किलोमीटर है।
4. डांडेली काली नदी के मुहाने पर बसा है।

II. लिखित कौशल

1. गुवाहाटी से तेजपुर की दूरी लगभग 175 किलोमीटर है।
2. तेजपुर एक ऐतिहासिक नगरी है। ऐसी मान्यता है कि यहाँ की पहाड़ियों पर असुरराज बाणासुर का शासन था। बाणासुर की पुत्री उषा से श्रीकृष्ण के पौत्र अनिरुद्ध विवाह करना चाहते थे। इससे नाराज़ होकर बाणासुर ने उषा को अग्निगढ़ की पहाड़ियों पर अग्नि के घेरे में कैद कर दिया था। उसने अनिरुद्ध को भी पकड़कर अन्य स्थान पर कैद कर रखा था। अनिरुद्ध को छुड़ाने के लिए कृष्ण और बाणासुर की सेनाओं में भयंकर युद्ध हुआ। कहा जाता है कि इस युद्ध में इतने लोग मारे गए थे कि यहाँ की धरती लाल हो गई थी इसीलिए इस जगह का नाम 'तेजपुर' पड़ा।
3. तेजपुर में 'बामुनी पहाड़' और 'दा पर्बतिया द्वार' को देखकर गुप्तकालीन वास्तुकला का परिचय मिलता है।
4. अनंतगिरि आंध्र प्रदेश के रंगारेड्डी ज़िले में विकाराबाद के समीप तिरुमाला पर्वत पर बसा हुआ है।
5. अनंतगिरि में स्थित पवित्र भवनासी झील को 'दक्षिण का बद्रीनाथ' माना जाता है।
6. खूँट गाँव में उत्तर प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री और प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी गोविंद बल्लभ पंत का जन्म हुआ था।
7. डांडेली पहुँचने के लिए हवाई मार्ग द्वारा बेलगाँव, हुबली या गोवा तक जाना होता है।
8. डांडेली वन्य-जीव अभयारण्य, कावला गुफा, तुलाराज भवानी मंदिर, श्री मल्लिकार्जुन मंदिर, डांडेलप्पा मंदिर, शिवाजी का किला, साइक्स प्वाइंट, शिरोली पीक और सिंथेरी चट्टानें डांडेली के दर्शनीय स्थल हैं।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) तेजपुर (ख) डांडेली (ग) अनंतगिरि (घ) मार्कंडेय ऋषि (ङ) खूँट गाँव
2. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. हमारी सरकार संदेश देना चाहती है कि वह जंगली जानवरों के रख-रखाव के प्रति जागरूक है। वह जानवरों की दुर्लभ प्रजातियों के विलुप्त होने से चिंतित है। आरक्षित अभयारण्यों में रखने से जानवरों का शिकार नहीं किया जा सकता और वे सुरक्षित रहेंगे।
2. डांडेलप्पा मंदिर डांडेलप्पा नामक वफ़ादार सेवक को समर्पित है। डांडेलप्पा ने अपने स्वामी की वफ़ादारी में प्राणों की आहुति दे दी थी। डांडेलप्पा के व्यक्तित्व में वफ़ादारी एवं सेवा-भाव जैसे गुणों की झलक मिलती है।

V. भाषा कौशल

1. (क) संस्कृति + इक (ख) आनंद + इत (ग) राष्ट्र + ईय (घ) स्वतंत्र + ता

2. (क) कावला गुफ़ा लगभग दस-बारह मीटर लंबी है।

(ख) चला गया समय वापिस लौटकर नहीं आता।

(ग) पंडित जी ने हवन में आहुति दी।

(घ) सड़क के किनारे वाली झील खूबसूरत है।

(ङ) वाटर राफ्टिंग मन में रोमांच भर देता है।

(च) भगवान श्रीराम का विवाह सीता से हुआ था।

3. (क) सरल वाक्य (ख) मिश्र वाक्य (ग) मिश्र वाक्य

(घ) संयुक्त वाक्य (ङ) सरल वाक्य

4. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (i)

VI. रचनात्मक कोना

बच्चे स्वयं करें।

जाँच पत्र-2
(पाठ 13-23 पर आधारित)

कुल अंक 50

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) चंद्रा पोलियो का शिकार हो गई थी।

(ख) जब होटल के बंद होने का अलार्म बजा तब वीनू भी और लोगों के साथ उठा और चुपचाप डिटेक्टर मशीन की ओट में दीवार के सहारे छिपकर बैठ गया।

(ग) बिस्मिल्ला खाँ को सबसे पहले शहनाईवादन की बारीकियाँ उनके मामा स्वर्गीय उस्ताद अली बख्श खाँ ने सिखाई थीं।

(घ) शाम को प्रभात लेखक के घर पर था और दादी से कह रहा था, "दादी अम्माँ! मैंने बचपन में जो पाप किया था, उसे मैं आज तक नहीं भूला हूँ और मैं उस शाप को भी नहीं भूला हूँ, जो आपने मुझे दिया था। जब तक आप इलाहाबाद में रहीं, मुझे देखते ही कहने लगती थीं–अरे, कम्बख्त मंटुआ! तूने मासूम पिल्लों की आँखें फोड़ी हैं, तेरी आँखें भी किसी दिन इसी तरह फूटेंगी। आपके इस शाप से मुझे अपने पाप का बोध हुआ और मैंने फ़ैसला कर लिया कि मुझे जीवन में नेत्र-चिकित्सक ही बनना है। मेरी आँखें तो आपके शाप के कारण कभी-न-कभी फूटेंगी ही पर उससे पहले मैं बहुत-सी आँखों को रोशनी दे जाऊँगा। उन बहुत-सी आँखों में से दो आँखें आपकी भी होंगी, दादी अम्माँ!"

(ङ) इनफ़ोसिस की नींव रखने के साथ ही नारायण मूर्ति तथा उसके सहयोगियों को चुनौतियों ने घेर लिया था। इन चुनौतियों ने उनके धैर्य की परीक्षा ली। कभी-कभी तो ऐसा लगा कि कंपनी का भविष्य अंधकारमय हो चला है। लेकिन, नारायण मूर्ति और उनके सहयोगियों ने इन चुनौतियों का डटकर सामना किया। इसी संदर्भ में नारायण मूर्ति ने कहा कि मेरा यह विश्वास है कि जब अँधेरा सबसे ज़्यादा गहरा होता है तब सुबह सबसे नज़दीक होती है।

(च) इन पंक्तियों में निःस्वार्थ भाव से दूसरों की सेवा-सहायता करने तथा लालच एवं प्रलोभनों के आगे न झुकने जैसे मानवीय गुणों की बात कही गई है।

2. निम्नलिखित पंक्तियों के अर्थ लिखिए–

(क) इन पंक्तियों में कवि ने सच्चे मित्र की पहचान बताते हुए यह कहा है कि हमारा सच्चा मित्र हमें बुरे मार्ग पर चलने से रोकता है यानी हमें बुराइयों की ओर नहीं जाने देता। हमारा मार्ग-दर्शन करके हमें सही दिशा दिखाता है। हमारे अवगुणों को दूर करके सद्‌गुणों का विकास करता है। सदैव हमें अच्छाई की ओर ले जाता है।

(ख) इन पंक्तियों का भावार्थ यह है कि सृष्टि में एकरूपता लाने के लिए सभी लोगों को मिलकर एक दिशा, एक लक्ष्य बनाकर चलना होगा। फिर उसी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए हमें अपना मार्ग प्रशस्त करना है। चाहे राह में कितनी ही बाधाएँ, परेशानियाँ क्यों न आएँ, उन्हें खुशी-खुशी ढकेलते हुए आगे बढ़ना चाहिए। इस लक्ष्यप्राप्ति में सभी साथ चलें। न तो किसी में मन-मुटाव हो, न भेदभाव एवं

भिन्नता हो। सबका एक ही लक्ष्य हो मानवता की भलाई। इस प्रकार जो सभी के हित का सोचे, सभी का मार्ग प्रशस्त करे, वही मनुष्य है।

3. सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए –

(क) अंश (ख) धुलवा (ग) लाल (घ) शाप (ङ) अड्डा

4. निम्नलिखित वाक्यों में से निर्देशानुसार शब्दों को चुनकर लिखिए–

(क) दादी की (ख) इस होटल (ग) उतार-चढ़ाव (घ) रखकर (ङ) सांस्कृतिक

5. उचित विकल्प चुनिए –

(क) (i) (ख) (iii) (ग) (i) (घ) (iii) (ङ) (iii)

6. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए–

(क) अतिथि ने हमारे प्रति कृतज्ञता प्रकट की। (ख) राजघाट गांधी जी का स्मृति स्थल है।

(ग) जासूस ने छिपे हुए चोरों का पता लगाया।

(घ) व्यक्ति अनुभव से ही सीखता है। (ङ) किसी का भी अपमान मत करो।

पीरियोडिक टेस्ट-1
(पाठ 1 से 6 तक)

समयावधि : .... **पूर्णांक : 20**

1. (क) अब कार्यालय में गरीब का मान होने लगा। उसे नित्य घुड़कियाँ न मिलतीं। दिन भर दौड़ना न पड़ता। कर्मचारियों के व्यंग्य और अपने समकक्षों के कटु वाक्य न सुनने पड़ते।
   (ख) स्वभाव में भी कुछ तबदीली पैदा हुई। दीनता की जगह आत्म-गौरव का उदय हुआ। तत्परता की जगह आलस्य ने ले ली।
   (ग) उसे अपनी प्रतिष्ठा का गुर हाथ लग गया। वह अब दसवें-पाँचवें दिन दूध, दही आदि लाकर बड़े बाबू को भेंट किया करता। वह देवता को संतुष्ट करना सीख गया।
   (घ) (i) प्रतिष्ठित (ii) आलसी (ङ) दीन + ता
2. **निर्देशानुसार कीजिए –**
   (क) (i) नहीं (ii) राय
   (ख) (i) मेरा बड़ा भाई गुस्से में आपे से बाहर हो गया।
   (ii) सेठ लोग गाँठ के धनी होते हैं।
   (ग) (i) अपादान कारक (ii) करण कारक (घ) (i) अनाकर्षक (ii) दुराचार (ङ) (i)
3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –**
   (क) निर्झर मानव जीवन को प्रेरणा देता है कि हमें जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना साहसपूर्वक करना चाहिए। सुख-दुख, हार-जीत आदि तो जीवन का हिस्सा हैं। इनके सामने झुककर अपनी मंज़िल को नहीं छोड़ना चाहिए।
   (ख) गरीब के घर मनों दूध होता है, मनों जौ, चना, मटर होती है लेकिन वह इन सब चीज़ों को किसी को देता तक नहीं था। कार्यालय के लोग इन सब चीज़ों के लिए तरसते थे इसलिए वे लोग गरीब से चिढ़ते थे।
   (ग) इधर दीवार पर तिनके का चिपकना हुआ और उधर मक्खियाँ उसकी मिठास का मज़ा लेने लगीं। मक्खियाँ मिठास के आनंद में डूबी थीं कि एक छिपकली एक ही झपट्टे में दो मक्खियाँ निगल गई। छिपकली को देखकर बनिये की बिल्ली उसपर झपट पड़ी। बंजारे के कुत्ते ने बिल्ली को देखा तो वह उसे पकड़ने दौड़ा।
   (घ) गांधी जी के मित्र को लगता था कि यदि वे (गांधी जी) मांसाहार नहीं करेंगे तो अंग्रेज़ समाज में हिल-मिल नहीं सकेंगे। गांधी जी को अपने मित्र का यह भय दूर कर देना ज़रूरी लगा। इसलिए उन्होंने निर्णय लिया कि वे जंगली नहीं रहेंगे तथा सभ्यों के तौर-तरीके सीखेंगे।
   (ङ) चावरा द्वीप के बुज़ुर्गों ने नाव पर से फलों को उतारा और परीक्षण के रूप में चखकर देखा। जब वे पूरी तरह आश्वस्त हो गए कि वे फल हानिकारक नहीं हैं, तब उन फलों को सबमें वितरित करवा दिया।

4. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

उत्तर के लिए संकेत-बिंदु – (i) अपना पता (ii) संबोधन एवं अभिवादन।
(iii) औपचारिकता – हाल-चाल पूछना। (iv) अपनी दिनचर्या बताना।
(v) रहना, खाना, पढ़ना, खेलना सबकी जानकारी।
(vi) बड़ों को प्रणाम व छोटों को प्यार (vii) आज्ञाकारी पुत्र / पुत्री अपना नाम

पीरियोडिक टेस्ट-2
(पाठ 1 से 12 तक)

समयावधि : .... **पूर्णांक : 20**

1. (क) झूठ से
   (ख) कोई प्राणी बड़ा नहीं, कोई प्राणी छोटा नहीं
   (ग) जो रुकती दुनिया को आगे बढ़ा दे।
   (घ) कमी / घाटा (ङ) संसार, जगत

2. **निर्देशानुसार कीजिए –**
   (क) (i) बे + खौफ़ (ii) अ, वि + चल (ख) (i) तप (ii) प्यास
   (ग) (iii) (घ) (i) आसन्न भूतकाल (ii) अपूर्ण वर्तमानकाल
   (ङ) (i) पुल्लिंग (ii) स्त्रीलिंग

3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –**
   (क) बनिये द्वारा फेंका गया बाट सीधे कुत्ते के ललाट पर जा लगा और खून का फ़व्वारा छूट गया।
   (ख) सावित्री के सबसे छोटे बेटे ने अपने बड़े भाई से कहा, "भैया, माँगो तो भला माँ से पैसे, फिर हमलोग मलाई की बरफ़ खाएँगे।"
   (ग) गायिका ने कलिंग युद्ध का वर्णन करते हुए कहा था कि युद्ध क्षेत्र में अब भी सैकड़ों मनुष्य तड़प रहे हैं, अब भी अधमरे घायलों की कराहों से आकाश गूँज रहा है। सहस्त्रों हृदय धूल में सने पड़े हैं। कलिंग की राजधानी उजड़ी पड़ी है। कलिंग का हरा-भरा देश वीरान पड़ा है। सहस्त्रों आपके बंदी-गृह में सड़ रहे हैं। जो बचे हैं, उनकी आत्माएँ झुलस चुकी हैं, मर चुकी हैं।
   (घ) फ़िल्मों में पार्श्वगायन के अतिरिक्त शमशाद बेगम ने दिल्ली, लाहौर तथा पेशावर रेडियो स्टेशन से भी संगीत के कई कार्यक्रम दिए। उन्होंने नाटकों में भी भाग लिया।
   (ङ) जब फ़कीर बाबा नमाज़ पढ़ने लगे तो उनका चित्त इतना एकाग्र हो गया कि उनके शरीर से तीर निकाल लिया गया और उन्हें पता भी नहीं चला।

4. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
   उत्तर के लिए संकेत-बिंदु – (i) खान के आने पर खुशी प्रकट करना।
   (ii) प्रसन्नता का प्रदर्शन
   (iii) खान से मिलकर विचारों का आदान-प्रदान
   (iv) खान को पुनः आने के लिए कहना
   (v) अपने पिछले बर्ताब के लिए क्षमा-याचना।

पीरियोडिक टेस्ट-3
(पाठ 1 से 18 तक)

समयावधि : .... **पूर्णांक : 20**

1. (क) उसके पिता ओंकारनाथ श्रीवास्तव अणुशक्ति केंद्र में वरिष्ठ वैज्ञानिक पद पर कार्यरत थे।
   (ख) लोगों का मानना था कि यह रोबोट संचालित होटल है जिसका नियंत्रण अलग बने किसी कक्ष से होता होगा। वैसे इस नए ढंग के होटल से सभी खुश थे।
   (ग) उसने मन-ही-मन इस होटल के सभी पहलुओं को जानने का निश्चय किया।
   (घ) (i) इक (ii) इत (ङ) (i) सोच (ii) नियंत्रण
2. **निर्देशानुसार कीजिए –**
   (क) (i) पल (ii) जो समय बताती है
   (ख) (i) पक्ष + आघात दीर्घ संधि (ii) निर् + अंतर व्यंजन संधि
   (ग) (i) बजाना बजवाना (घ) (i) इस (दुष्ट-विशेष्य) (ii) उस (दिन-विशेष्य) (ङ) (i)
3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –**
   (क) शमशाद बेगम के जीवन से हम परिश्रम, लगन, कला के प्रति समर्पण और सादगी जैसे गुणों की प्रेरणा ले सकते हैं।
   (ख) विपत्ति के समय सच्चा मित्र हमारा साथ देता है।
   (ग) जब लेखिका ने चंद्रा की कहानी सुनी तो दंग रह गईं। लेखिका को वह लड़की किसी देवांगना से कम नहीं लगी क्योंकि चंद्रा नियति के प्रत्येक कठोर आघात को धैर्य एवं साहस से झेल रही है।
   (घ) जब होटल के बंद होने का अलार्म बजा तब वीनू भी और लोगों के साथ उठा और चुपचाप डिटेक्टर मशीन की ओट में दीवार के सहारे छिपकर बैठ गया।
   (ङ) लेखक का बचपन का नाम बब्बू और डॉ॰ प्रभात का नाम मंटू था।
4. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
   उत्तर के लिए संकेत-बिंदु – (i) पोलियो की जानकारी
   (ii) पोलियो के लिए सरकार की ओर से प्रयास
   (iii) लोगों को जानकारी देना
   (iv) पोलियो से नुकसान (v) उपसंहार

नमूना प्रश्न-पत्र
(पाठ 1 से 24 तक)

समयावधि : .... **पूर्णांक : 50**

1. (क) डट कर उनका सामना करना। (ख) भेदभाव न हो।
(ग) जो दूसरे के लिए जिए या मरे। (घ) अतर्क × सतर्क (ङ) अ + भीष्ट

2. **निर्देशानुसार कीजिए –**
(क) (i) बीमारी (ii) दीनता
(ख) (i) बुरा हाल करना (ii) मार गिराना (ग) (i) असभ्य (ii) नकली
(घ) (i) (ङ) (i) कर्ता कारक (ii) संप्रदान कारक (च) (i) गुण (ii) शंका
(छ) (i) पुल्लिंग (ii) स्त्रीलिंग
(ज) (i) प्रयोग के लिए शाला संप्रदान तत्पुरुष (ii) घटना का क्रम संबंध तत्पुरुष
(झ) (i) तुम (उद्देश्य) हमारे बचपन के मित्र हो (विधेय) (ii) मेरी दादी (उद्देश्य) विनोदी स्वभाव की थीं (विधेय)
(ञ) (i) वह अंदर से क्यों सिहर उठा था? (ii) प्रभु ने मेरा साथ नहीं दिया।

3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –**
(क) फ़ोन पर महिला ने कारवास्की से अनुरोध किया कि मैं आपके लिए कुछ उपहार भेज रही हूँ। अस्वीकार न कीजिएगा।
(ख) टुनी दुबली-पतली हड्डियों का ढाँचा मात्र दिखती है। ऐसी टुनी ठंडे पानी से बर्तन धोएगी और तुलतुल गरम पानी में हाथ-मुँह धोकर गरम कपड़े पहनकर गरमागरम पूड़ियाँ खाएगी? तुलतुल बड़ों को ऐसी भूल नहीं करने देगी। अंतर्राष्ट्रीय बालवर्ष में टुनी जैसे हज़ारों बच्चों की देखभाल होनी ही चाहिए।
(ग) डांडेलप्पा मंदिर डांडेलप्पा नामक वफ़ादार सेवक को समर्पित है। डांडेलप्पा ने अपने स्वामी की वफ़ादारी में प्राणों की आहुति दे दी थी। डांडेलप्पा के व्यक्तित्व में वफ़ादारी एवं सेवा-भाव जैसे गुणों की झलक मिलती है।
(घ) माथे को फूल जैसा चढ़ाने का अर्थ है कि सच्चा मनुष्य मरने से नहीं डरता। वह अपने प्राणों को न्योछावर करने के लिए हमेशा प्रस्तुत रहता है।
(ङ) गायिका सम्राट से कह रही है कि मनुष्य एक-दूसरे की सहायता करने के लिए पैदा हुआ है। वह दूसरों को मारने के लिए पैदा नहीं हुआ। वह उनकी सेवा करने के लिए ही इस धरती पर आया है।

4. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
उत्तर के लिए संकेत-बिंदु – (i) सूचना देने वाले का नाम तथा कक्षा
(ii) बालवर्ष मनाने का उद्देश्य व विस्तार
(iii) एक निश्चित तिथि सीमा यदि छात्रों से कुछ नाम इत्यादि लेने हो। (iv) धन्यवाद।

5. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

उत्तर के लिए संकेत-बिंदु – (i) मित्रता का महत्व

(ii) सच्चा मित्र कौन?, आस्तीन के साँप कौन?

(iii) मित्र का नाम तथा उसके गुण (iv) मित्र द्वारा सहयोग व अपनापन

(v) दोस्ती में धर्म, जाति, अमीरी, गरीबी या ऊँच-नीच का महत्व नहीं।